

संक्षिप्त समाचार

नोएडा के महर्षि नगर में रामलीला का भावपूर्ण मंचन, राम-केवट संवाद और भरत मनावन ने मोह्र मन

अनप्लग इंडिया
नोएडा। सेक्टर-110 स्थित महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव में गुरुवार को रामकथा के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारी, मंथरा-कैकेयी संवाद, राजा दशरथ और कैकेयी के बीच संवाद, राम मनावन, राम-केवट संवाद तथा भरत-कैकेयी संवाद सहित भरत मनावन के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। रामलीला की शुरुआत श्रीराम के अभिषेक की तैयारियों से हुई। इसके बाद मंथरा द्वारा कैकेयी को प्रभावित करने और कैकेयी द्वारा राजा दशरथ से अपने वरदान मांगने के प्रसंग का मंचन किया गया। इन दृश्यों के माध्यम से रामकथा के उस महत्वपूर्ण मोड़ को जीवंत किया गया, जिसके कारण श्रीराम को वनवास जाना पड़ा।



ने पारिवारिक प्रेम, त्याग और कर्तव्य की भावना को उजागर किया। वहीं, राम-केवट संवाद के मंचन में भक्ति, समर्पण और निष्काम प्रेम का सुंदर चित्रण देखने को मिला। महोत्सव के मीडिया प्रभारी ए.के. लाल ने बताया कि रामकथा के इन प्रसंगों को इस तरह प्रस्तुत किया गया कि दर्शक भावनात्मक रूप से कथा से जुड़ सकें।

भरत मनावन ने दर्शकों को किया भावुक

कार्यक्रम के अगले चरण में भरत-कैकेयी संवाद और भरत मनावन का मंचन हुआ। इन प्रसंगों में भरत का अपने बड़े भाई श्रीराम के प्रति प्रेम, त्याग और अटूट श्रद्धा प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत की गई। मंचन ने दर्शकों को यह संदेश दिया कि जीवन में प्रेम, मर्यादा, पारिवारिक संबंधों और कर्तव्य का विशेष महत्व है।

धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय हुआ महर्षि नगर

रामलीला मंचन के साथ महोत्सव में दुर्गा पूजन, वेद पाठ, भजन-कीर्तन, प्रवचन और आरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिदिन सुबह मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और शाम को भक्ति संगीत तथा वैदिक अनुष्ठानों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालु उत्साह और आस्था के साथ इन कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, महोत्सव का उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है। रामलीला के माध्यम से प्रेम, त्याग, पारिवारिक मूल्यों, कर्तव्य और धर्म की सीख देते हुए लोगों को नैतिक आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का भी माध्यम है।

गणमान्य लोग और श्रद्धालु रहे उपस्थित—इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव, श्री दुर्गा पूजा, विजयादशमी एवं श्रीरामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान तथा प्रबंध समिति के सदस्य विनोद श्रीवास्तव, शिशिर कांत श्रीवास्तव, विनोत श्रीवास्तव, विनोद दीक्षित, एस.पी. गर्ग, श्रीकांत ओझा, मनोज श्रीवास्तव, सं

फोर्टिस ग्रेटर नोएडा में चार मरीजों की जटिल स्पाइन सर्जरी सफल, 72 डिग्री तक मुड़ी रीढ़ का भी उपचार



अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। रीढ़ की हड्डी से जुड़ी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे चार मरीजों का फोर्टिस हॉस्पिटल, ग्रेटर नोएडा में सफल उपचार किया गया। वर्ल्ड स्पाइन डे से पहले किए गए इन उपचारों में रीढ़ की हड्डी के 72 डिग्री तक मुड़ने, गर्दन की डिस्क खिसकने और नसों पर दबाव पड़ने जैसी जटिल समस्याएं शामिल थीं। अस्पताल के डॉक्टरों ने आधुनिक और कम चोरे वाली सर्जिकल तकनीकों की मदद से मरीजों का उपचार किया, जिससे उनकी चलने-फिरने की क्षमता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। अस्पताल के अनुसार, उपचार कराने वाले मरीजों की उम्र 16 से 44 वर्ष के बीच थी। इन मामलों में स्कोलियोसिस यानी रीढ़ की हड्डी का असामान्य रूप से मुड़ना, गर्दन की डिस्क से नसों पर दबाव और कमर की डिस्क से जुड़ी समस्याएं शामिल थीं। उपचार में ऑर्थोपेडिक्स विभाग के निदेशक डॉ. हिमांशु त्यागी के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने भूमिका निभाई। डॉ. राजेश सुभाष मिश्रा और डॉ. कपिल खरे भी उपचार करने वाली टीम में शामिल रहे।

72 डिग्री तक मुड़ी रीढ़ की हड्डी का किया उपचार

पहले दो मरीजों में कुशीनगर के 20 वर्षीय सिद्धार्थ सिंह और नोएडा की 16 वर्षीय राधिका चंदेला शामिल थे। दोनों स्कोलियोसिस की समस्या से पीड़ित थे। इस बीमारी में रीढ़ की हड्डी सामान्य सीध में रहने के बजाय एक ओर मुड़ जाती है और पीछे से देखने पर उसका आकार अंग्रेजी के C या S अक्षर जैसा दिखाई दे सकता है।

सिद्धार्थ की रीढ़ में करीब 72 डिग्री का गंभीर टेढ़ापन था, जबकि राधिका की रीढ़ के मध्य और निचले हिस्से के जोड़ पर विकृति थी, जिसके कारण उन्हें काफी दर्द होता था। डॉक्टरों ने विस्तृत जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद दोनों की सर्जरी की। इस दौरान विशेष रॉड और स्क्रू की मदद से रीढ़ की स्थिति सुधारने और उसे स्थिर रखने का प्रयास किया गया। ऑपरेशन के बाद दोनों मरीजों ने चलना शुरू कर दिया। अस्पताल के मुताबिक, उनकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा है।

गर्दन की डिस्क खिसकने से हाथ में था तेज दर्द

तीसरा मामला दिल्ली के 44 वर्षीय जतिन त्यागी का था। उनकी गर्दन में रीढ़ की हड्डी के बीच मौजूद डिस्क खिसकने से नसों पर दबाव पड़ रहा था। इसके कारण बाएं हाथ में तेज दर्द और सुन्नपन की समस्या थी। डॉक्टरों ने शुरुआती उपचार और निगरानी के बाद एंटीरियर सर्वाइकल डिस्कटेक्टोमी एंड फ्यूजन प्रक्रिया की। इसमें गर्दन के सामने की ओर छोटा चीरा लगाकर प्रभावित डिस्क को हटाया गया। इसके बाद रीढ़ को सहारा देने और स्थिरता बनाए रखने के लिए विशेष उपकरणों तथा बोन ग्राफ्ट का इस्तेमाल किया गया। अस्पताल के अनुसार, सर्जरी के बाद जतिन को हाथ के दर्द से राहत मिली और सुन्नपन की समस्या में भी सुधार हुआ। वह खड़े होने लगे और अगले दिन चलना भी शुरू कर दिया।

दिसर से पैर तक जा रहा था दर्द, एंडोस्कोपिक सर्जरी से राहत चौथा मरीज आगामी का 30 वर्षीय गौतम था, जिसे कमर के निचले हिस्से में तेज दर्द रहता था। दर्द बाएं पैर तक पहुंचता था और सुन्नपन तथा झगुनाहट भी होती थी। समस्या के कारण वह पांच मिनट से अधिक चलने में असमर्थ था। डॉक्टरों ने हार्ड-ड्रेफिनशन एंडोस्कोप की मदद से कम चोरे वाली डिस्कटेक्टोमी प्रक्रिया की। इसके जरिए नस पर दबाव डाल रहे डिस्क के हिस्से को हटाया गया, ताकि आसपास के ऊतकों की कम से कम नुकसान पहुंचे। अस्पताल के मुताबिक, उपचार के बाद गौतम की स्थिति में सुधार हुआ और छुट्टी मिलने से पहले ही उसने चलना शुरू कर दिया।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में बनेंगे 9 श्रमिक हॉस्टल, कामकाजी महिलाओं को मिलेगा सुरक्षित आवास

अनप्लग इंडिया

नोएडा/ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी

क्षेत्र के प्रमुख औद्योगिक इलाकों नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी में काम करने वाले श्रमिकों तथा कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जा रही है। श्रम विभाग ने श्रमिक हॉस्टल बनाने के लिए जमीन मिलने के बाद शासन को प्रस्ताव भेज दिया है। योजना के तहत श्रमिकों को किरायेती दरों पर रहने की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी है।

इस योजना से उन प्रवासी कामगारों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्हें रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों से आने के बाद किराये पर कमरा लेने या सुरक्षित ठिकाना खोजने में परेशानी होती है। हॉस्टल में आवास के साथ कैंटीन और स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की योजना है।

तीनों क्षेत्रों में विकसित होंगे श्रमिक हॉस्टल

प्रस्ताव के अनुसार, श्रम विभाग नोएडा में दो, ग्रेटर नोएडा में दो और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यौडा) क्षेत्र में चार श्रमिक हॉस्टल बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण भी अपने स्तर पर

नोएडा में बिजनेस के बहाने 1.03 करोड़ की ढगी

31 बार में रकम की ट्रांसफर, 1500 डॉलर मुनाफा का दिया लालच

अनप्लग इंडिया

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक व्यक्ति से ऑनलाइन कारोबार के नाम पर 1.03 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठाणों ने वॉट्सऐप पर संपर्क कर पोलैंड की कंपनी से जिनसेंग उत्पाद का बड़ा ऑर्डर दिलाने और मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। इसके बाद भारतीय सप्लायर के नाम पर 31 बार में अलग-अलग बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करा लिए। न ऑर्डर मिला और न ही रकम वापस हुई। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की हवेलिया वेलेनोवा पार्क सोसाइटी में रहने वाले त्रिभुवन कुमार (44) ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत की थी। उनके मुताबिक, 17 मार्च 2026 को एक व्यक्ति ने वॉट्सऐप पर संपर्क किया। उसने खुद को पोलैंड की एक कंपनी का प्रतिनिधि बताया और कहा कि उनकी कंपनी को जिनसेंग उत्पाद खरीदना है।

एक पैकेट पर 1500 डॉलर मुनाफे का दिया लालच आरोपियों ने बताया कि जिनसेंग उत्पाद का एक पैकेट भारत में 1000 अमेरिकी डॉलर में मिलेगा। इसे पोलैंड की कंपनी को 2500 डॉलर में बेचा जा सकता है। इस तरह हर पैकेट पर 1500 डॉलर का मुनाफा होने का दावा किया गया। आरोपियों ने भारतीय सप्लायर के तौर पर शर्मा एंटरप्राइज का नाम बताया। इसका पता सिक्किम के गंगटोक ईस्ट में दिया गया। इसके बाद पीड़ित

नोएडा/गाजियाबाद



दो हॉस्टल बनाने की तैयारी में है।

नोएडा में प्रस्तावित दोनों हॉस्टल में प्रत्येक की क्षमता करीब एक हजार लोगों की होगी। यहां रहने के लिए प्रति व्यक्ति लगभग एक हजार से डेढ़ हजार रुपये तक किराया निर्धारित किए जाने की जानकारी दी गई है। ग्रेटर नोएडा में हॉस्टल निर्माण के लिए तीन-तीन हजार वर्गमीटर और यौडा क्षेत्र में पांच-पांच हजार वर्गमीटर के भूखंड उपलब्ध कराए गए हैं।

यमुना सिटी में 10 हजार कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल

नोएडा में चेन स्नैचरों से मुठभेड़: 2 बदमाशों को लगी गोली, 2.19 लाख रुपए और चोरी की बाइक बरामद

अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-39 थाना क्षेत्र में गुरुवार रात पुलिस और चेन स्नैचिंग करने वाले दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाश घायल हो गए।

उनकी पहचान दिल्ली के भजनपुरा निवासी सलमान (30) और तनवीर (37) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, चोरी की बाइक और 2.19 लाख रुपए बरामद किए हैं।

एसपी प्रवीन सिंह ने बताया कि 15 अक्टूबर की रात सेक्टर-43 के पास दादरी रोड नर्सरी पर पुलिस संदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच कर रही थी।

इसी दौरान सेक्टर-49 रेड लाइट की तरफ से एक बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे बाइक की रफ्तार बढ़ाकर स्टेलर ग्रीन पार्क की तरफ भागने लगे।

बाइक फिसलने के बाद पुलिस पर चलाई गोली

पुलिस ने उनका पीछा किया और अन्य टीमों को सूचना दी। घेराबंदी होने पर दोनों बदमाश सोम

बाजार से स्टेलर ग्रीन पार्क के पास जंगल की तरफ जाने वाले रास्ते पर भागने लगे। बारिश के कारण उनकी



बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद दोनों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाशों को गोली लगी। घायल आरोपियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

दोनों पर 92 मुकदमे दर्ज पुलिस के मुताबिक, सलमान पर दिल्ली-एनसीआर में चेन स्नैचिंग, लूट और चोरी के 48

न्यू नोएडा में भी सेक्टर 13 गायब? नए शहर में होंगे ये 3 वर्क सर्कल

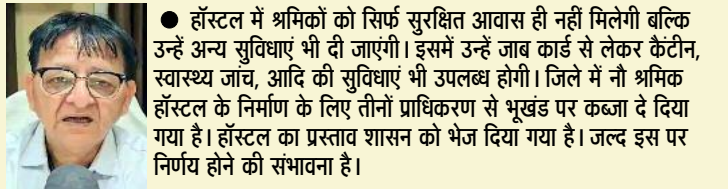
अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा शहर की तरह ही न्यू नोएडा में भी सेक्टर 13 नहीं बसाया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण ने न्यू नोएडा के लिए प्रशासनिक डिवीजन तय करते समय 'वर्क सर्कल नंबर 13' को शामिल न करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और बुलंदशहर जिलों के करीब 80 गांवों की जमीन पर बसने जा रहे न्यू नोएडा को दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन के नाम से भी जाना जाता है। एचटी की रिपोर्ट के अनुसार, नोएडा प्राधिकरण नए सेक्टर बनाने और न्यू नोएडा के शहरीकरण का काम तेज करने के लिए तीन नए वर्क सर्कल- 11, 12 और 14 बनाएगी। हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि न्यू नोएडा में भी 13 नंबर को क्यों छोड़ दिया गया है। नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी क्रांति शेखर ने एक बयान में कहा, 'पुराने नोएडा में 10 वर्क सर्कल हैं, जिन्हें 1 से 10 तक नंबर दिए गए हैं। नए नोएडा के लिए वर्क सर्कलों को 11, 12 और 14 नंबर दिए जाएंगे। '

इस प्रोजेक्ट में 13 नंबर का वर्क सर्कल नहीं होगा। हालांकि, अधिकारियों ने 13 नंबर को नहीं रखने के पीछे कोई खास वजह नहीं बताई है। अधिकारियों ने बताया कि दिलचस्प बात यह है कि नोएडा में भी सेक्टर 13 नहीं है।

प्राधिकरण का फील्ड स्टॉफ तैनात अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकरण ने इस परियोजना का काम तेज करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए फील्ड स्टॉफ को तैनात किया गया है। जमीन का सर्वे करने और रिपोर्ट तैयार करने के लिए तीन लेखपाल भी तैनात किए गए हैं।

किसानों ने प्राधिकरण के सामने उठाई ये चिंताएं प्राधिकरण ने किसानों को इस परियोजना और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के बारे में समझाने के लिए पिछले हफ्ते दादरी और बुलंदशहर के किसानों और ग्राम प्रधानों के साथ बैठकें की थीं। इस प्रोजेक्ट की देखरेख कर रही नोएडा अथॉरिटी की ओएसडी मणिमा ने बताया कि बैठकों के दौरान किसानों ने कुछ चिंताएं जताईं, जिनमें जमीन अधिग्रहण और उनके धार्मिक स्थलों का क्या होगा इससे जुड़े सवाल शामिल थे।



● हॉस्टल में श्रमिकों को सिर्फ सुरक्षित आवास ही नहीं मिलेगी बल्कि उन्हें अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी। इसमें उन्हें जाब कार्ड से लेकर कैंटीन, स्वास्थ्य जांच, आदि की सुविधाएं भी उपलब्ध होगी। जिले में नौ श्रमिक हॉस्टल के निर्माण के लिए तीनों प्राधिकरण से भूखंड पर कब्जा दे दिया गया है। हॉस्टल का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। जल्द इस पर निर्णय होने की संभावना है।

होने की संभावना है। इनमें महिलाओं की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होगी। ऐसे में सुरक्षित और किरायेती आवास की उपलब्धता को जरूरी माना जा रहा है। आवास के साथ मिलेंगी जरूरी सुविधाएं प्रस्तावित हॉस्टलों में श्रमिकों को केवल रहने की जगह ही नहीं, बल्कि अन्य बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की योजना है। इनमें कैंटीन, स्वास्थ्य जांच और जांब कार्ड से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। इससे दूसरे शहरों से आकर औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले लोगों को सहूलियत मिल सकती है।

औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले अनेक श्रमिकों को अभी रहने के लिए दूरराज के गांवों या सीमित सुविधाओं वाले इलाकों पर निर्भर रहना पड़ता है। सुरक्षित हॉस्टल बनने से उनके रहने की व्यवस्था

नोएडा में बिजनेस के बहाने 1.03 करोड़ की ढगी

31 बार में रकम की ट्रांसफर, 1500 डॉलर मुनाफा का दिया लालच

अनप्लग इंडिया
नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक व्यक्ति से ऑनलाइन कारोबार के नाम पर 1.03 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठाणों ने वॉट्सऐप पर संपर्क कर पोलैंड की कंपनी से जिनसेंग उत्पाद का बड़ा ऑर्डर दिलाने और मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। इसके बाद भारतीय सप्लायर के नाम पर 31 बार में अलग-अलग बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करा लिए। न ऑर्डर मिला और न ही रकम वापस हुई। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की हवेलिया वेलेनोवा पार्क सोसाइटी में रहने वाले त्रिभुवन कुमार (44) ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत की थी। उनके मुताबिक, 17 मार्च 2026 को एक व्यक्ति ने वॉट्सऐप पर संपर्क किया। उसने खुद को पोलैंड की एक कंपनी का प्रतिनिधि बताया और कहा कि उनकी कंपनी को जिनसेंग उत्पाद खरीदना है।

एक पैकेट पर 1500 डॉलर मुनाफे का दिया लालच आरोपियों ने बताया कि जिनसेंग उत्पाद का एक पैकेट भारत में 1000 अमेरिकी डॉलर में मिलेगा। इसे पोलैंड की कंपनी को 2500 डॉलर में बेचा जा सकता है। इस तरह हर पैकेट पर 1500 डॉलर का मुनाफा होने का दावा किया गया। आरोपियों ने भारतीय सप्लायर के तौर पर शर्मा एंटरप्राइज का नाम बताया। इसका पता सिक्किम के गंगटोक ईस्ट में दिया गया। इसके बाद पीड़ित

दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल चोरी की रॉयल एनफील्ड हंटर 350 सीसी बाइक भी मिली है। पुलिस के अनुसार, बरामद 2.19 लाख रुपए सेक्टर-39 क्षेत्र में हुई चेन स्नैचिंग की घटना से जुड़े हैं। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

सीएम का सपा पर हमला, बोले- इन्होंने गिरगिट की तरह बदला रंग, टिकट बेचने का किया काम



तर्ज पर चाचा जान को टिकट दिया। इसके बाद 'पराया धन अपना' की तर्ज पर मुंबई के कारोबारी को टिकट दिया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के

व्यापक इंतजाम किए गए हैं। रूट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक 500 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। बुधवार को क्षेत्रीय प्रभारी व प्रदेश महामंत्री राम प्रताप चौहान ने कार्यक्रम स्थल का

नोएडा में दिवाली से 5 प्रतिशत आबादी के भूखंडों पर मिलेगा कब्जा, बकायेदारों से वसूली के लिए प्राधिकरण सरख्त

अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा में दिवाली और आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर की सफाई व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत, सार्वजनिक सुविधाओं और विकास परियोजनाओं को लेखक प्राधिकरण ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 15 अक्टूबर को आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में त्योहारों से पहले सफाई, स्ट्रीट लाइट, सड़क मरम्मत, कूड़ा प्रबंधन, वायु प्रदूषण नियंत्रण और निर्माणधीन परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई।

प्राधिकरण की ओर से जारी प्रेस वृत्तिप के अनुसार, बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, विभाग कार्याधिकारी

क्रांतिशेखर सिंह सहित अन्य अधिकारी, महाप्रबंधक, उद्यान विभाग के निदेशक और विभिन्न वर्क सर्किटों तथा जल एवं विद्युत-यांत्रिकी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

त्योहारों से पहले सफाई और रोशनी की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने निर्देश दिए कि त्योहारों से पहले सभी प्रमुख स्थलों पर साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। सड़कों की मरम्मत के साथ पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था भी की जाए। मूर्ति विसर्जन और अर्घ्य के लिए निर्धारित स्थानों पर कृत्रिम तालाब तैयार करने को कहा गया है, ताकि धार्मिक आयोजनों के दौरान लोगों को सुविधाएं मिल सकें। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाने के लिए सफाई कार्य में लगे ठेकेदारों के साथ



बैठक करने के निर्देश भी दिए गए। शहर में अव्यवस्थित रूप से फैले कबाड़ को हटाने और अवैध रूप से सड़क किनारे कब्जा जमाने वाले विक्रेताओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया है।

घर-घर कूड़ा उठाने की व्यवस्था होगी मजबूत—शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त वाहन खरीदकर गांवों में भी तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राधिकरण

कूड़ा संग्रहण वाहनों के बेड़े को पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है। योजना के तहत कूड़ा उठाने वाले वाहनों में 70 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन और 30 प्रतिशत सीएनजी वाहन रखने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए अकलन तैयार कर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) को परीक्षण के लिए भेजा जा चुका है। सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी के लिए वर्क सर्किटों के अवर अभियंताओं को सुबह आठ बजे और प्रबंधकों को नौ बजे तक अपने क्षेत्र में पहुंचकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान संबंधित कर्मचारियों को अपनी लाइव लोकेशन भी साझा करनी होगी।

31 अक्टूबर तक सड़कों की री-सर्पेफिंग का लक्ष्य—वायु प्रदूषण

प्लान (ग्रेप) की तैयारियों के मद्देनजर प्राधिकरण ने अभी से कसम उठाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सभी सड़कों की री-सर्पेफिंग का काम 31 अक्टूबर तक पूरा करने को कहा गया। इसके अलावा, भवनों में रूफटॉप स्प्रिंकलर लगाने के लिए एडवाइजरी जारी करने तथा शहर के विभिन्न स्थानों पर वायु गुणवत्ता सुचकांक (एक्यूआई) प्रदर्शित करने के लिए डिस्कले लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इन कदमों का उद्देश्य प्रदूषण की स्थिति पर निगरानी बढ़ाना और लोगों तक वायु गुणवत्ता की जानकारी पहुंचाना है।

चिल्ला से महामाया फ्लाइंगओवर तक एलिवेटेड रोड की निविदाएं जल्द नोएडा की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान चिल्ला से यमुना पुस्ता तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड परियोजना पर भी चर्चा हुई।

अपनी बात संपादकीय

यूपी चुनाव : अयोध्या, गोरखपुर और संभल में आखिर क्यों दी जा रही है चुनौती?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की आहट के साथ ही प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी और चुनौती देने का दौर तेज हो गया है। अयोध्या, गोरखपुर और संभल जैसे महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्रों के नाम लेकर नेताओं के बीच सीधी चुनावी टक्कर की बात की जा रही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच अयोध्या से चुनाव लड़ने को लेकर शुरू हुई जुबानी जंग में अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी अपनी चुनौती जोड़ दी है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को संभल और अखिलेश यादव को गोरखपुर से चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। इस घटनाक्रम ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर इन तीन स्थानों को लेकर इतनी राजनीतिक गमी क्यों है?



दरअसल, यह केवल तीन विधानसभा क्षेत्रों का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे धार्मिक प्रतीक, राजनीतिक प्रभाव, सामाजिक समीकरण और सत्ता के प्रति जनता के रुख को समझने की कोशिश भी दिखाई देती है। इन चुनौतियों के माध्यम से राजनीतिक दल अपने विरोधियों को उनके स्थापित प्रभाव क्षेत्रों से बाहर निकलकर जनता का सामना करने के लिए कह रहे हैं।

अयोध्या का नाम आते ही राम मंदिर, धार्मिक आस्था और भारतीय राजनीति में उसके प्रभाव की चर्चा स्वाभाविक है। पिछले कुछ वर्षों में अयोध्या में बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाएं शुरू हुई हैं। सड़कें, परिवहन सुविधाएं, पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों से जुड़ा बुनियादी ढांचा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख हिस्सा बना है। भारतीय जनता पार्टी के लिए अयोध्या धार्मिक आस्था और विकास के दावों को प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लेकिन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद की जीत ने यह स्पष्ट किया कि धार्मिक महत्व और चुनावी परिणामों के बीच सीधा तथा सुनिश्चित संबंध मान लेना उचित नहीं है। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को बहुत जरूर मिली थी, लेकिन फैजाबाद लोकसभा सीट का परिणाम विश्व के लिए राजनीतिक उसाह का कारण बना। इसी पृष्ठभूमि में अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती दी। जबवां में योगी ने भी अखिलेश यादव को वहीं से उनके सामने चुनावी मैदान में उतरने की चुनौती दे दी। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच इस तरह की बयानबाजी को वास्तविक उम्मीदवारी की घोषणा नहीं माना जाना चाहिए। अयोध्या की राजनीति में अब यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि बड़े विकास कार्यों के साथ स्थानीय नागरिकों को कितनी सुविधाएं मिली हैं। जल निकासी, सड़क निर्माण, व्यापारियों की समस्याएं, जमीन की कीमतों में बदलाव और स्थानीय लोगों की जरूरतें भी चुनौती बहस का हिस्सा हैं। मंदिर और आस्था का महत्व अपनी जगह है, लेकिन मतदाता अपने दैनिक जीवन से जुड़े सवालों का उत्तर भी चाहते हैं। गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक पहचान से गहराई से जुड़ा क्षेत्र है। यहां गोरखपीठ का सामाजिक और धार्मिक प्रभाव भी राजनीति को प्रभावित करता है। योगी आदित्यनाथ लंबे समय तक गोरखपुर से सांसद रहे और वर्तमान में गोरखपुर शहरी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में गोरखपुर का नाम लेकर अखिलेश यादव को चुनाव लड़ने की चुनौती देना राजनीतिक प्रतीकवाद से जुड़ा कदम है।

भरोसे की परीक्षा

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देकभर में जो युवा अस्तोष के स्वर मुख हो रहे हैं, उसकी शुरुआत नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते परीक्षार्थी अंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हुईं तो उनके सड़क पर उतरने का सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के दूर करने अविश्वास को प्रोत्त करने के लिये केंद्र सरकार ने इम्फोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके। साथ ही परीक्षा के परिणामों पर भरोसा कर सके। दरअसल, नीलेकणि ने पेपर लीक रेकने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नया तरीका सुझाया है। उनका एआई का प्रयोग करके अंतिम दौर में प्रश्नपत्र तैयार करने का सुझाव, ऐसे सिस्टम को सुरक्षा का अवसर देता है, जिसे परीक्षार्थियों के भरोसे की सख्त जरूरत है। उनका तर्क है कि आखिरी समय में एक बड़े प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अंनैतिक मुनाफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंयूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इनोवेशन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुंच होनी भी जरूरी है। निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएंगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, फषात और हेराफेरी रेकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके। यानी तकनीक के साथ-साथ इसीनि निर्गमनी भी जरूरी होगी। इसके अलावा कंयूटर आधारित टेस्टिंग इंफ्रस्ट्रक्चर के प्रस्तावित विचार पर उनना ही ध्यान देने की भी जरूरत होगी। हालांकि, वर्तमान में पहले से ही डेढ़ लाख उम्मीदवार सेंटर देश में मौजूद हैं। लेकिन लाखों उम्मीदवारों के लिये सुरक्षित इंटरनेट कनेक्टिविटी और गुणवत्ता के मानकों वाली परीक्षा सुविधाओं की भी जरूरत होगी। जिसकी कमी से ग्रामीण इलाकों के छात्रों और आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों के उम्मीदवारों को प्रतियोगिता परीक्षाओं के दौरान किसी तरह के नुकसान का सामना न करना पड़े। यहां उल्लेखनीय है कि इससे पहले एक एह कमेटी ने सुरक्षा, प्रबंधन और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज पर कई अहम सुझाव दिए थे।

संपादकीय

शक्ति : सृष्टि, शब्द और चेतना का सनातन आधार



कुंवर रवील धीरान प्रताप नारायण सिंह एडोकेट/पत्रकार गिरिष्ठ उपाध्यक्ष गोरखपुर प्रेस क्लब

पदार्थ की सत्ता उसकी शक्ति पर ही आधारित होती है। शक्ति से संपन्न होने पर ही कोई पदार्थ अपनी सामर्थ्य का परिचय देता है और शक्तिमान कहलाता है। आध्यात्मिक तथा लौकिक—दोनों ही दृष्टियों से शक्ति का महत्त्व सर्वांगित है। शब्दशक्ति, काव्यशक्ति, वाक्शक्ति, इच्छाशक्ति, ज्ञानशक्ति और सैन्यशक्ति आदि उसी व्यापक शक्ति-तत्त्व के विविध आयाम हैं। भारतीय दर्शन में शक्ति केवल किसी वस्तु की कार्यक्षमता का पर्याय नहीं, बल्कि सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति और परिवर्तन की मूल प्रेरणा भी है। शारदीय नवरात्रि इसी आदिशक्ति की उपासना, आराधना और उसके दार्शनिक स्वरूप को समझने का पावन अवसर है।

भारतीय चिंतन में शक्ति को ब्रह्म की अभिव्यक्ति का माध्यम माना गया है। परम तत्त्व अपनी अंतर्निहित सामर्थ्य के माध्यम से विविध रूपां में अभिव्यक्त होता है। उपनिषदों में वर्णित ‘एकोऽहं बहुस्याम’ अर्थात् ‘मैं एक हूँ, अनेक हो जाऊँ’ का भाव इसी एक तत्त्व की बहुविध अभिव्यक्ति की ओर

संकेत करता है। सृष्टि का वैविध्य उसी मूल सत्ता की विविध शक्तियों के कारण दृष्टिगोचर होता है। प्रकृति की सूक्ष्मतम क्रियाओं से लेकर ब्रह्मांड की विराट संरचना तक शक्ति की उपस्थिति का अनुभव किया जा सकता है।

विष्णुपुराण में शक्ति का स्वरूप विष्णुपुराण में शक्ति की अदृश्य सत्ता तथा उसके कार्यरूप में प्रकट होने का उल्लेख मिलता है—

शक्तयः सर्वभावानामचिन्त्या अपृथक्स्थिताः।

स्वरूपे नैव दृश्यन्ते, दृश्यन्ते कार्यतस्तु ताः॥

—विष्णुपुराण, अंश 1, अध्याय 3, श्लोक 2

इसका भावार्थ है कि समस्त पदार्थों में विद्यमान शक्तियाँ चिंतन की सामान्य सीमाओं से परे हैं। वे अपने आश्रय से पृथक् नहीं होतीं और अपने मूल स्वरूप में प्रत्यक्ष दिखाई भी नहीं देती; उनका परिचय उनके कार्यों के माध्यम से प्राप्त होता है। अग्नि की दाहकता, जल की शीतलता, वायु की गतिशीलता और बीज में निहित अंकुरण की क्षमता इसके सहज उदाहरण हैं। शक्ति स्वयं दृष्टिगोचर न होते हुए भी अपने प्रभाव से अपनी उपस्थिति प्रमाणित करती है।

यही सिद्धांत आध्यात्मिक जगत में भी लागू होता है। भारतीय दर्शन के अनुसार परमात्मा की शक्ति उसके स्वरूप से अभिन्न है। जिस प्रकार चंद्रमा और उसकी चाँदनी का संबंध प्रकाश की अनुभूति कराता है, उसी प्रकार शक्ति के माध्यम से परम सत्ता की क्रियाशीलता का बोध होता है। यह उपमा दार्शनिक अर्थ में समझी जानी चाहिए, क्योंकि विभिन्न भारतीय दर्शन-परंपराएं ब्रह्म और शक्ति के संबंध की अलग-अलग



व्याख्याएँ प्रस्तुत करती हैं। शाक्त दर्शन में शक्ति को जगज्जननी तथा सृष्टि की मूल प्रेरक सत्ता के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

शब्द और अर्थ के बीच शक्ति का सेतु शक्ति का महत्त्व केवल भौतिक और आध्यात्मिक जगत तक सीमित नहीं है। भाषा तथा शब्दार्थ के संबंध में भी इसकी निर्णायक भूमिका है। हम किसी शब्द को सुनते हैं और उसके माध्यम से किसी वस्तु, भाव अथवा विचार का बोध प्राप्त करते हैं। यह प्रक्रिया तभी संभव है, जब शब्द और उसके अर्थ के बीच कोई मान्य संबंध हो। भारतीय भाषादर्शन में इसी संबंध को शब्दशक्ति के रूप में समझाया गया है।

उदाहरण के लिए, ‘घट’ शब्द सुनते ही हमारे मन में एक विशेष प्रकार के पात्र की अवधारणा उभरती है, जबकि ‘पट’ शब्द वस्त्र का बोध कराता है। यदि शब्द और अर्थ के बीच कोई निश्चित संबंध न होता, तो प्रत्येक शब्द से प्रत्येक अर्थ का बोध होने लगता। व्यवहार में ऐसा नहीं होता। अतः शब्द की अर्थबोधक क्षमता भाषा की व्यवस्था, प्रचलित परंपरा और शब्दार्थ-संबंध पर आधारित होती है।

भारतीय काव्यशास्त्र में अभिधा, लक्षणा और व्यंजना जैसी अर्थबोध की प्रक्रियाओं का विवेचन भी इसी व्यापक संदर्भ में किया गया है। शब्द केवल ध्वनियों का समूह नहीं है; वह विचार, अनुभूति और संस्कृति का संवाहक है। एक सार्थक शब्द मनुष्य के अंतर्मन को आंदोलित कर सकता है, समाज में चेतना जगा सकता है और इतिहास की दिशा बदलने की प्रेरणा भी दे सकता है। इस दृष्टि से शब्दशक्ति मानव जीवन की अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आचार्य भर्तृहरि और शब्दब्रह्म की अवधारणा

भारतीय भाषादर्शन के महान आचार्य भर्तृहरि ने शब्द और जगत के संबंध पर गहन चिंतन किया। उनके प्रसिद्ध ग्रंथ ‘वाक्यपदीय’ में शब्दतत्त्व की अनादि सत्ता और अर्थरूप में उसकी अभिव्यक्ति का विचार मिलता है—

अनादिनिधनं ब्रह्म शब्दतत्त्वं यदक्षरम्।

विवर्ततेऽर्थभावेन प्रक्रिया जगतो यतः॥

—वाक्यपदीय, ब्रह्मकाण्ड

इसका भावार्थ है कि शब्दतत्त्व अनादि और अन्ततः है तथा वहीं अर्थरूप में अभिव्यक्त होकर जगत की प्रक्रिया से संबंधित होता है।

भर्तृहरि के दर्शन में शब्द केवल संप्रेषण का साधन नहीं, बल्कि सत्ता, ज्ञान और अर्थबोध के गहन संबंध को समझने का माध्यम है। शब्दब्रह्म की अवधारणा भारतीय चिंतन की उस विशिष्ट परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें भाषा को मानवीय चेतना और विश्वबोध से जोड़कर देखा गया है।

यहीं यह समझना आवश्यक है कि शब्दब्रह्म की दार्शनिक अवधारणा को सामान्य बोलचाल के शब्दों तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसका संबंध भाषा के मूल तत्त्व, अर्थ की अनुभूति और ज्ञान की प्रक्रिया से है। शब्द के माध्यम से मनुष्य अपने अनुभवों को अभिव्यक्त करता है, ज्ञान को पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित करता है तथा सभ्यता की सांस्कृतिक स्मृतियों को सुरक्षित रखता है। इस प्रकार शब्दशक्ति ज्ञानपरंपरा की निरंतरता का आधार बनती है।

नवरात्रि : आदिशक्ति की आराधना और आत्मबोध का पर्व नवरात्रि का पर्व शक्ति की इसी व्यापक अवधारणा को जीवन में उतारने का अवसर प्रदान करता है। दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मबल, विवेक, धैर्य, करुणा और संकल्प के जागरण का प्रतीक भी है। देवी दुर्गा का महिषासुरमर्दिनी स्वरूप प्रवृत्तियों पर विजय का संदेश देता है। यह विजय केवल बाह्य संघर्ष की नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर उपस्थित दुर्बलताओं और नकारात्मक वृत्तियों पर नियंत्रण की भी प्रतीक है।

शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल बाह्यबल अथवा प्रभुत्व प्राप्त करना नहीं है। ज्ञान की शक्ति मनुष्य

को विवेकशील बनाती है, वाणी की शक्ति सत्य को प्रतिष्ठित करती है, करुणा की शक्ति समाज को संवेदनशील बनाती है और आत्मसंयम की शक्ति व्यक्ति को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग करती है। जब शक्ति के साथ विवेक और उत्तरदायित्व का समन्वय होता है, तभी उसका उपयोग लोककल्याण के लिए संभव होता है।

समकालीन समाज में नारीशक्ति का सम्मान, शिक्षा का प्रसार, सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा को रक्षा भी शक्ति की इसी सकारात्मक अभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण आयाम हैं। देवी की आराधना तभी सार्थक होगी, जब समाज रित्नों की सम्मान, समान अवसर और सुरक्षा को अपने आचरण का अभिन्न अंग बनाए। शक्ति की उपासना का आशय जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सुज्ञातात्मक सामर्थ्य, नैतिक साहस और मानवीय संवेदना को प्रतिष्ठित करना है। अंततः शक्ति सृष्टि की क्रियाशीलता, भाषा की अर्थवत्ता, ज्ञान की अभिव्यक्ति और मनुष्य की आत्मचेतना का महत्त्वपूर्ण आधार है। भारतीय दर्शन ने इसे विविध दृष्टियों से समझने का प्रयास किया है। नवरात्रि हमें स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप वह है, जो अज्ञान का अधंकार दूर करे, विवेक का प्रकाश फैलाए और समाज में न्याय, समरसता तथा सद्भाव की स्थापना करे। आदिशक्ति की आराधना का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य अपनी अंतर्निहित सामर्थ्य को पहचानकर उसका उपयोग सृजन, सेवा और लोकमंगल के लिए करे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता



महेन्द्र तिवारी साहित्यकार एवं लेखक पूर्व वायुसेनिक, नई दिल्ली

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियां इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिमाई की उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को हमसे ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा। रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित

निवेश साधनों की ओर रुख किया। दृक्षण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोसपी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकना पड़ा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी प्रमुख अर्धचालक कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं। इस गिरावट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बने रहने और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था। जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियां ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महंगे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काम नहीं है। इसके लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक,

उन्नत अर्धचालक चिपें, विशाल आंकड़ा केंद्र, निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावी शीतलन प्रणालियां चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लगती है। कंपनियां इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है।

अमेरिकी कंपनी कोर्नवीव का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएं उपलब्ध कराती है। रॉयटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत कम पड़ रहा है। इससे निवेशकों ने कंपनी के कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उसके पास भविष्य में आय देने वाले अनुबंधों का बड़ा भंडार है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं। किसी कंपनी को कर्मचारियों के वेतन, बिजली, उपकरणों, ब्याज और ऋण की

किस्तों का भुगतान लगातार करना पड़ता है। यदि आय आने में देरी होती है, तो अच्छे अनुबंध होने के बावजूद वित्तीय दबाव पैदा हो सकता है। इसके विपरीत, यदि मांग मजबूत रहती है और कंपनी अपने अनुबंधों को वास्तविक आय में बदल पाती है, तो भारी निवेश लाभदायक भी साबित हो सकता है। इसलिए किसी कंपनी के शेयरों में गिरावट को उसके कारोबार के समाप्त होने का प्रमाण मानना उचित नहीं है। इस घटनाक्रम ने सरकारी बांडों की भूमिका को भी फिर चर्चा में ला दिया है। जब निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक जोखिम दिखाई देता है, तब वे अपनी पूंजी का कुछ हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में लगाते हैं। इससे इन बांडों की मांग बढ़ सकती है और उनकी कीमतों में तेजी आ सकती है। सामान्यतः बांड की कीमत और उससे मिलने वाला प्रतिफल विपरीत दिशा में चलते हैं। 15 अक्टूबर को वैश्विक बाजारों में सरकारी बांडों की ओर बढ़ते रुझान को इसी संदर्भ में देखा गया। हालांकि सरकारी बांड भी ब्याज दरों में बदलाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्हें हर परिस्थिति में पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं माना जा सकता। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्तमान विस्तार किसी आर्थिक बुलबुले की रूप ले रहा है। आर्थिक बुलबुले की स्थिति तब बन सकती है, जब किसी परिपक्वित बाजार मूल्य उसकी वास्तविक कमाई और दीर्घकालीन संभावनाओं से बहुत आगे निकल जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के

क्षेत्र में कुछ कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन, भारी कर्ज और भविष्य की आय का लेकर अनिश्चितता ने इस आशंका को बढ़ाया है। फिर भी पूरे उद्योग को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। कुछ कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी, मजबूत ग्राहक आधार और विविध कारोबार हैं, जबकि कुछ कंपनियां विस्तार के लिए लगातार कर्ज पर निर्भर हैं। दोनों की वित्तीय स्थिति और जोखिम अलग-अलग हैं। इसका भारत पर भी प्रभाव पड़ सकता है। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ने पर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से भी पूंजी निकाल सकते हैं। इससे शेयरों की कीमतों और रुपये में उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका रहती है। दूसरी ओर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए नई संभावनाएं भी पैदा हो सकती हैं। आंकड़ा प्रबंधन, तकनीकी सेवाओं, साइबर सुरक्षा और व्यावसायिक अभिन्यासों को अधिक प्रभावी बनाने के क्षेत्र में भारतीय कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। लेकिन इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए कोशल विकास, अनुसंधान, बिजली की उपलब्धता और तकनीकी ढांचे में निवेश जरूरी होगा। भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े प्रतिष्ठानों का विस्तार करते समय भी वित्तीय अनुशासन का ध्यान रखना होगा। केवल भविष्य की मांग के अनुमान पर भारी कर्ज लेकर विशाल आंकड़ा केंद्र तैयार करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। निवेश का आधार वास्तविक ग्राहक मांग,

संभावित आय और दीर्घकालीन आर्थिक उपयोगिता होनी चाहिए। सरकार और उद्योग को यह भी देखना होगा कि इन प्रतिष्ठानों की बिजली तथा पानी की जरूरतें किस प्रकार पूरी की जाएंगी और उनका पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मौजूदा उथल-पुथल तकनीकी विकास के विरुद्ध कोई प्रमाण नहीं है। यह संभव है कि आने वाले वर्षों में यह तकनीक उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाए, नई सेवाओं को जन्म दे और आर्थिक गतिविधियों का स्वरूप बदल दे। लेकिन किसी तकनीक की उपयोगिता और उससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों का उचित मूल्यांकन दो अलग प्रश्न हैं। तकनीकी प्राप्ति अपने आप में इस बात की गारंटी नहीं देती कि हर निवेशक को लाभ होगा या प्रत्येक कंपनी सफल रहेगी। अंततः कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य केवल शक्तिशाली संगणकों और अरबों डॉलर के निवेश से तय नहीं होगा। उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह समाज और अर्थव्यवस्था की वास्तविक समस्याओं का किताना प्रभावी समाधान करती है, उससे कितनी टिकाऊ आय पैदा होती है और कंपनियां अपने खर्च तथा कर्ज का प्रबंधन कितनी जिम्मेदारी से करती हैं। तकनीकी महत्वाकांक्षा आवश्यक है, लेकिन उसके साथ विवेकपूर्ण निवेश और वित्तीय अनुशासन भी उतने ही जरूरी हैं। वैश्विक बाजार की मौजूदा चिंता इसी संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

ज्ञान के समुद्र को सूखाने मत दीजिए

अरुण कुमार डनायक किसी समाज की शक्ति उसके आधुनिक भवनों और डिजिटल साधनों के साथ-साथ इस बात से भी तय होती है कि वह अपने ज्ञान-संग्रह को कितना सुरक्षित रखता है। पुस्तकालयों का महत्व इसलिए लोकतंत्र के बुनियादी चरित्र से जुड़ा है। वे पाठकों को विविध विचारों, इतिहास की अलग-अलग व्याख्याओं और परस्पर विरोधी मतों से परिचित कराते हैं।

1911 में सम्राट जॉर्ज पंचम द्वारा ब्रिटिश भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा के साथ 1891 में स्थापित इम्पीरियल सेक्रेटैरिएट लाइब्रेरी भी दिल्ली लाई गई। पहले इसे मिलिटरी लाईंस स्थित ओल्ड सेक्रेटैरिएट भवन, फिर नॉर्थ ब्लॉक और अंततः 1969 में शास्त्री भवन में स्थान मिला। केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय यानी सेंट्रल सेक्रेटैरिएट लाइब्रेरी के नाम से पहचानी जाने वाली लगभग 135 वर्ष पुरानी यह संस्था आज फिर विस्थापन के संकट में है। सवाल केवल 8.5 लाख से अधिक पुस्तकों को रखने की जगह का नहीं, बल्कि इस ज्ञान-संग्रह के संरक्षण और भावी पीढ़ियों तक इसकी पहुंच के प्रति हमारे सरोकार का भी है।

इसी प्रश्न को तुलसी सदन पुस्तकालय की कहानी और व्यापक बनाती है। रामचरितमानस के 400 वर्ष पूरे होने पर 1972 में स्थापित इस

पुस्तकालय में 14 भारतीय भाषाओं की पुस्तकें थीं। दिल्ली मेट्रो निर्माण के कारण 2011 में इसे अस्थायी रूप से बंद किया गया, लेकिन डेढ़ दशक बीतने को है और दो लाख से अधिक पुस्तकें अब भी डिब्बों में बंद हैं, पाठकों और शोधकर्ताओं की पहुंच से दूर।

एक ओर केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय पर्याप्त स्थान की तलाश में है, दूसरी ओर तुलसी सदन की दो लाख से अधिक पुस्तकें वर्षों से पाठकों की पहुंच से दूर हैं। दोनों स्थितियां अलग होते हुए भी एक ही सवाल उठाती हैं—क्या हमारी विकास-यात्रा में ज्ञान की विरासत के लिए पर्याप्त जगह बची है? पुस्तकालय आखिर होते क्या हैं? क्या वे केवल अलमरारियों में रखी पुस्तकों का समूह हैं? नहीं। वे किसी सभ्यता की स्मृति होते हैं। किसी समाज ने क्या सोचा, किन प्रश्नों से जुड़ा और विज्ञान, दर्शन, धर्म, साहित्य, चिकित्सा तथा शासन के बारे में क्या समझ विकसित की—इन सबका प्रमाण पुस्तकों और अभिलेखों में मिलता है। इसलिए किसी पुस्तक का नष्ट होना केवल एक वस्तु का नष्ट होना नहीं है; उसके साथ अतीत को समझने का एक रास्ता भी बंद हो जाता है।

नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के विनाश की ऐतिहासिक स्मृति हमें चेतानी है कि ज्ञान की धरोहर का नष्ट होना केवल पुस्तकों का नष्ट होना नहीं, बल्कि सभ्यता की स्मृति को क्षति

पहुंचाना भी है। इतिहास के ऐसे प्रसंगों से सबक लेते हुए हमें समझना होगा कि पुस्तकालयों का संरक्षण केवल अतीत को सहेजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान और विचारों के रास्ते खुले रखना भी है।

केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की स्थिति इसी कारण चिंताजनक है। शास्त्री भवन में लगभग 5,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में चार मंजिलों पर फैले इस पुस्तकालय में दुर्लभ पुस्तकें, पुराने दस्तावेज, सरकारी रिकॉर्ड और राजपत्र हैं। इसके दुर्लभ पुस्तक अनुभाग की सबसे पुरानी पुस्तक एक फ्रांसीसी यात्री के लेखों का संकलन है, जो 1702 का बताया जाता है। भारत सरकार के प्रकाशनों के महत्वपूर्ण भंडार के रूप में काम करने वाले इस पुस्तकालय का उपयोग सरकारी अधिकारियों, शोधार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों द्वारा भी किया जाता है। इतने समृद्ध ऐतिहासिक संग्रह को केवल स्थानांतरण की प्रशासनिक समस्या मानना उसकी वास्तविक महत्ता को कम करके आंकना होगा।

केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता केवल पुस्तकों को रखने के लिए नहीं है। संग्रह के संरक्षण, पाठकों और शोधकर्ताओं की सुविधा तथा पुस्तकालय की अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए भी उपयुक्त स्थान चाहिए।

अब इस मामले ने सर्वोच्च न्यायालय का भी ध्यान खींचा है। न्यायालय ने 135 वर्ष पुराने पुस्तकालय के पुनर्वास का स्वतः संज्ञान लिया। कर्तव्य भवन-02 के भूतल पर दो कमरों का प्रस्ताव संपदा निदेशालय ने जनवरी में दिया था, जिसे संस्कृति मंत्रालय ने अपर्याप्त बताया था। अब आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने कर्तव्य पथ पुनर्विकास योजना में पुस्तकालय के लिए स्थान निर्धारित किए जाने और निर्माण प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी है। अंतिम कसौटी यही होगी कि यह स्थान पुस्तकालय के संग्रह, संरक्षण और पाठक सुविधा की जरूरतें पूरी करता है या नहीं।

पुस्तकालय का जीवन उसके पाठकों से है। दुर्लभ पुस्तकें यदि गोदामों में बंद रहें और शोधकर्ता उन तक न पहुंच सकें तो संरक्षण अधूरा है। केवल डिजिटलीकरण भी इसका विकल्प नहीं, क्योंकि मूल पुस्तक की भौतिक विशेषताएं और ऐतिहासिक संकेत डिजिटल प्रति में पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहते। इसलिए प्रशिक्षित अभिलेखपाल, वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटलीकरण और सबसे बढ़कर पाठकों-शोधकर्ताओं के लिए सहज पहुंच—इन सभी को समान महत्व देना होगा। ज्ञान की सुरक्षित रखकर भी यदि उसे लोगों तक पहुंचने से रोक दिया जाए तो वह जीवित परंपरा नहीं रह जाता। यहां प्रश्न केवल ‘विकास बनाम विरासत’ का नहीं है। असली प्रश्न यह है कि विकास की परिभाषा में ज्ञान

और स्मृति के लिए कितनी जगह है। क्या आधुनिक भवनों के साथ हमारे पुराने ज्ञान-भंडार भी सुरक्षित रहेंगे, या पुस्तकालय विकास की दौड़ में पीछे छूट जाएंगे? और इससे भी बड़ा प्रश्न है—क्या हम उस ज्ञान-समुद्र को सूखने दे रहे हैं, जिससे समाज की ज्ञान-धारा निकलती है? किसी समाज की शक्ति उसके आधुनिक भवनों और डिजिटल साधनों के साथ-साथ इस बात से भी तय होती है कि वह अपने ज्ञान-संग्रह को कितना सुरक्षित रखता है। पुस्तकालयों का महत्व इसलिए लोकतंत्र के बुनियादी चरित्र से जुड़ा है। वे पाठकों को विविध विचारों, इतिहास की अलग-अलग व्याख्याओं और परस्पर विरोधी मतों से परिचित कराते हैं। इससे समाज किसी एक आख्यान या सत्ता-केंद्रित दृष्टि पर निर्भर रहने के बजाय प्रश्न करने, विचारों की तुलना करने और अपने निकषें स्वयं बनाने की क्षमता विकसित करता है। भारत के सामने आज अवसर है कि वह अपनी पुस्तकालय नीति को केवल भवन, बजट और पुस्तकों की संख्या तक सीमित न रखे। लखनऊ का मुंशी नवल किशोर प्रेस, रामपुर रज़ा पुस्तकालय, तुलसी सदन, केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय और नगर निगम स्तर के पुस्तकालय हमारी ज्ञान-धरोहर की विविध परतों से संरक्षित किया जाना चाहिए। जितनी गंभीरता से हम अपने स्वास्थ्य स्मारकों की रक्षा करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में दिल्ली के गब्बर सिंह की संदिग्ध मौत



अनपलग इंडिया
गुरुग्राम। दिल्ली के मांडी गांव निवासी 40 वर्षीय गब्बर सिंह की गुरुग्राम के अस्पताल में 13 दिनों तक चले इलाज के बाद मौत हो गई। 1 अक्टूबर को रात घाटा गांव कट के पास गंभीर हालत में मिले गब्बर की मौत को पुलिस भले ही प्रारंभिक जांच में 'हित एंड रन' का सड़क हादसा मान रही हो, लेकिन परिजनों ने इस थ्योरी को सिर से खारिज करते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का आरोप है कि घटना वाले दिन गब्बर को मिली तनख्वाह में से जेब में रखे 11 हजार रुपये नकद भी गायब थे। परिवार ने पुलिस कमिश्नर से निष्पक्ष जांच और हत्या का केस दर्ज करने की मांग की है। सड़क हादसे की थ्योरी पर परिवार ने खड़े किए 5 बड़े सवाल सिर्फ सिर के पिछले हिस्से पर गंभीर घाव: परिजनों के अनुसार, गब्बर के सिर के पिछले हिस्से में ही गहरा घाव था। हाथ, पैर, कोहन्री या शरीर के किसी अन्य हिस्से पर घिसटने या राइफ का कोई निशान नहीं मिला। परिजनों का सवाल है कि यदि तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मारी थी, तो शरीर के अन्य अंगों पर खरोंच तक कैसे नहीं आई? बाइक पर स्क्रीन तक नहीं, सिर्फ हेडलाइट लटकी: दुर्घटनाग्रस्त बताई जा रही बाइक की स्प्रिंट भी संदेह पैदा करती है। बाइक की केवल आगे की हेडलाइट टूटी और लटकी हुई मिली, जबकि हैंडल, साइड मिरर, पेट्रोल टैंक और बॉडी पर एक भी स्क्रीन नहीं था। जेब से 11 हजार रुपये कैश गायब: गब्बर के भाई संजय ने बताया कि घटना वाले दिन गब्बर को सैलरी मिली थी। उसने 15 हजार रुपये बेटे के बैंक खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे, जबकि 11 हजार रुपये नकद अपनी जेब में रखे थे। अस्पताल पहुंचने और तलाशी के दौरान उसकी जेब से एक भी रुपया नहीं मिला। चार युवकों पर दबाव बनाते और धमकी देने का आरोप: मुत्तक की पत्नी सुनीता का आरोप है कि गांव के ही कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के युवक गब्बर की सैलरी पर नजर रखते थे और पैसे मिलने पर जबरन अपने साथ ले जाते थे। विरोध करने पर वे जान से मारने और बुरा अंजाम भुगताने की धमकी देते थे। घटना से ऐन पहले साथ नशा करने वाले संदिग्ध: परिजनों का दावा है कि हादसे की सूचना मिलने से ठीक पहले गब्बर चार युवकों के साथ बैठकर नशा कर रहा था। परिवार ने मांग की है कि इन चारों युवकों को हिरासत में लेकर पृष्ठताछ की जाए और रास्ते के तमाम सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जाए। कमिश्नर से मिलेंगे परिजन गुरुग्राम पुलिस ने शुरुआत में मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया था, जिसे गब्बर की मौत के बाद गैर-इरादतन हत्या (गैर-इरादतन मानव वध) की धाराओं में तब्दील किया गया है। वहीं, मुत्तक के भाई और पत्नी का कहना है कि वे सोमवार को गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच कराने तथा हत्या की धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग करेंगे।

सड़क की मरम्मत में लापरवाही की तो एजेंसी की बैंक गारंटी होगी कैश : मंत्री रणबीर गंगवा

अनप्ल इंडिया
चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियानिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने डीएलपी अवधि के दौरान सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क खराब होने के बावजूद यदि संबंधित एजेंसी समय पर उसकी मरम्मत नहीं करती है तो विभाग कार्रवाई करने में देरी नहीं करेगा। ऐसी एजेंसी की बैंक गारंटी कैश करवाकर विभाग अपने स्तर पर कर्मचारी, रोलेर और अन्य संसाधन लगाकर सड़क की मरम्मत करवाएगा। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने यह निर्देश हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में पीडब्ल्यू (बी एंड आर) विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एके सिंह, अतिरिक्त सचिव श्री हितेश कुमार मीणा, चीफ इंजीनियर स्तर के अधिकारियों सहित एसीएफआईएल, ईआईसी (बिल्डिंग्स), ईआईसी (रोड्स), सभी संबंधित एसई और एक्सईएन शामिल हुए। बैठक में वर्क प्रोग्राम 2026-27, सड़कों की स्थिति, 'म्हारी सड़क' ऐप पर प्राप्त शिकायतों, हरसैक परियोजना, मॉडल रोड तथा सकाराी भवनों पर सोलर पेनल लगाने सहित विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की गई। गंगवा ने कहा कि प्रदेश में लगभग 19 हजार किलोमीटर सड़कें डीएलपी अवधि में हैं। इन सड़कों के रखरखाव और समय पर मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी की है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डीएलपी अवधि वाली सड़कों की नियमित निगरानी की जाए और सड़क में किसी भी प्रकार की खराबी सामने आने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मरम्मत के लिए शिकायत का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। अधिकारी स्वयं फील्ड में जाकर सड़क की स्थिति देखें और आवश्यकता होने पर तुरंत कार्रवाई करवाएं। मंत्री ने कहा कि सड़कें आम लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही से सीधे जुड़ी हुई हैं, इसलिए इनके रखरखाव में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एसई, एक्सईएन और अन्य आला अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम तीन दिन फील्ड में जाकर सड़कों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान कहीं सड़क टूटी हुई या क्षतिग्रस्त मिलती है तो उसकी मरम्मत की प्रक्रिया तुरंत शुरू करवाई जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा 'म्हारी सड़क' ऐप पर प्राप्त शिकायतों का 10 दिन के भीतर समाधान करने संबंधी निर्देशों की भी सख्ती से पालना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐप पर शिकायत आने के बाद उसकी कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि मौके पर जाकर समस्या का समाधान किया जाए। बैठक में हरियाणा के 11 सर्कलों में करीब 2,813.339 किलोमीटर सड़कों से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा हरसैक परियोजना, 'म्हारी सड़क' ऐप, वर्क प्रोग्राम 2026-27 तथा मॉडल रोड से संबंधित कार्यों पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी कार्य में देरी हो रही है, वहां तेजी लाई जाए और सभी कार्य निश्चित समयसीमा में पूरे किए जाएं। *वर्क प्रोग्राम के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश*

मंत्री रणबीर गंगवा ने वर्क प्रोग्राम 2026-27 की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को अभी तक शुरू नहीं किया जा सका है, उन्हें तेजी से शुरू किया जाए। अक्टूबर माह में वर्क प्रोग्राम के तहत सभी कार्यों को गति मिलनी चाहिए और एक नवंबर से सभी संबंधित कार्य जमीन पर दिखाई देने चाहिए। जिन कार्यों में किसी स्तर पर लेटलतीपी चल रही है, वहां संबंधित अधिकारी प्रक्रिया में तेजी लाएं।

राष्ट्रवाद की राजनीति से जुड़कर विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें युवा : डॉ. स्वदेश सिंह

अनपलग इंडिया
गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. स्वदेश सिंह ने युवाओं का आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को समर्पित सार्वजनिक जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रवाद की राजनीति से जुड़ें तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है और युवा शक्ति इसमें निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शुक्रवार को भोंडसी स्थित KIIT इंजीनियरिंग कॉलेज में 'नमो सेवा अनकही कहानियाँ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव, 'नमो सेवा अनकही कहानियाँ' के राष्ट्रीय संयोजक एवं ओडिशा के सह-प्रभारी डॉ. स्वदेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि सोहना के विधायक तेजपाल तंवर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का संयोजन भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. यशवीर राघव ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन से जुड़े सेवा, समर्पण, जनकल्याण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक प्रसंगों को जन-जन तक पहुंचाना तथा नई पीढ़ी को राष्ट्रहित में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करना रहा। डॉ. स्वदेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण, जनकल्याण और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रेरक यात्रा हैं। 'नमो सेवा अनकही कहानियाँ' के माध्यम से उन



राघव ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन से जुड़े सेवा, समर्पण, जनकल्याण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक प्रसंगों को जन-जन तक पहुंचाना तथा नई पीढ़ी को राष्ट्रहित में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करना रहा। डॉ. स्वदेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण, जनकल्याण और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रेरक यात्रा हैं। 'नमो सेवा अनकही कहानियाँ' के माध्यम से उन

सामाजिक सेवा और जनकल्याण के कार्यों से जुड़कर विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। सोहना के विधायक तेजपाल तंवर ने कहा कि समाज और राष्ट्र की वास्तविक प्रगति जनभागीदारी, सेवा भावना तथा विकास कार्यों में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता से सुनिश्चित होती है। ऐसे आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन से जुड़े प्रेरक अनुभवों को समझने और समाज के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा, सामाजिक सेवा और क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों में आगे आएँ तथा सकारात्मक सोच के साथ समाज और राष्ट्र की उन्नति में भागीदार बनें। कार्यक्रम संयोजक डॉ. यशवीर राघव ने कहा कि 'नमो सेवा अनकही कहानियाँ' महज एक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध को जन-जन तक पहुंचाने का एक सार्थक अभियान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों से जुड़े प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से युवाओं और समाज से विभिन्न वर्गों को जनसेवा, सुशासन और

राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जब युवा शक्ति सेवा और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ आगे बढ़ती है, तो समाज में सकारात्मक बदलाव की संभावनाएँ और मजबूत होती हैं। डॉ. राघव ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, KIIT संस्थान के प्रबंधन, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में KIIT संस्थान के निदेशक श्याम सुंदर अग्रवाल, प्राचार्य इंदिरा दुल, निदेशक ईश कामराह, निदेशक अंशुमान कामराह, भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप सैनी, जिला उपाध्यक्ष जगदीश अंबवाल, जिला मीडिया प्रभारी नरेश सैनी तथा मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र, सौरभ सिंगला और मनोज सेहजावास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, सुशासन, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। उपस्थित लोगों ने जनसेवा की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने, सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया।

पौधों की देखभाल से ही साकार होगा हरित पर्यावरण का संकल्प: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

अनप्ल इंडिया
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'हरित एवं सतत कृषि की ओर एक कदम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय परिसर में टरमेरिया का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन छात्र कल्याण निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा भू-दूश्य संरचना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण बेहद जरूरी है। पेड़-पौधे हमें स्वच्छ हवा देने के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाना और हरियाली बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सफल होगा, जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाएगी। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें समय पर पानी देना और सुरक्षित रखना भी जरूरी है, ताकि वे अच्छी तरह विकसित हो सकें। उन्होंने



तैयार करने का संकल्प लेना चाहिए। भू-दूश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा बनाने के लिए समय समय पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं ताकि पर्यावरण को साफ सुथरा बनाया जा सके। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की।

गंभीरता से लें ट्रेनिंग, पूछे जाने वाले सवालों का अच्छे से करें अध्ययन-हेमा शर्मा

अनप्ल इंडिया
करनाल। भारत की जनगणना-2027 के दूसरे चरण के लिए जिला/चाज अधिकारियों का प्रशिक्षण आज दूसरे दिन भी यहां जाट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में जारी रहा। इस मौके पर करनाल मंडल की आयुक्त हेमा शर्मा ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों से कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। जनगणना लोकतंत्र के लिए आधार प्रदान करती है। इस दौरान प्राप्त किए गए आंकड़े राष्ट्र की योजना और विकास के लिए डेटा की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। उन्होंने जिला/चाज अधिकारियों से कहा कि वे ट्रेनिंग के दौरान दी गई जानकारी को गंभीरता से प्राप्त करें। यह जानकारी सुपरग्राइजर्स को दी जाने वाली ट्रेनिंग में भी सहायक होगी। उन्होंने अधिकारियों से ट्रेनिंग में पहले दिन प्राप्त जानकारी संबंधी सवाल भी पूछे। मंडल आयुक्त ने बताया कि 10 से 24 जनवरी तक स्व-गणना की जाएगी। अधिकारी यह



सुनिश्चित करें कि उनके अधीनस्थ सभी कर्मचारी स्व-गणना वेब-पोर्टल के माध्यम से करें। स्व-गणना से प्राणकों को फायदा होगा। इससे उनका समय बचेगा। स्वगणना में भरे आंकड़ों की पुष्टि में माममात्र का समय लगेगा। उन्होंने बताया प्राणक 25 से 28 फरवरी तक घर-घर जाकर जानकारी हासिल करेंगे। उन्होंने बताया कि जनगणना के दौरान 40 प्रश्न पूछे जाने हैं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान इन प्रश्नों का

अच्छे से अध्ययन करें। इसके अलावा अनुदेश पुस्तिका में दिए गए प्रश्न-दर-प्रश्न निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें एवं समझें। कार्य को सुचारू ढंग से निपटाने के लिए एआई/सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जा सकता है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों में रहने वाले श्रमिकों की गणना संबंधी एक सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में पहले फैक्टरी मालिक से संपर्क करें ताकि व श्रमिकों को गणना संबंधी

जानकारी देने से लिए प्रेरित कर सके। उन्होंने कहा कि यदि दूसरे राज्य का कोई श्रमिक अकेला अथवा अन्य सदस्य के साथ यहां रहता है तो उसे भी गणना में शामिल किया जाना जरूरी है। इस मौके पर जिला समन्वय अधिकारी अनीत यादव, मंडल ईंचार्ज कविता पांचाल, उप मंडल ईंचार्ज रामदास्ते, तहसीलदार कृष्ण कुमार, नगर निगम और नगरपालिकाओं के सचिव आदि मौजूद रहे।

हरियाणा ने स्वीडिश कंपनियों के साथ 4,000 करोड़ रुपए के आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किए

अनपलग इंडिया
चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की स्वीडन की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान हरियाणा ने स्वीडिश कंपनियों के साथ 4,000 करोड़ रुपए के आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। उनके इक कदम से राज्य के युवाओं के लिए व्यापार, निवेश, आर्थिक सहयोग और रोजगार के नए अवसर खुल गए हैं। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के साथ थे। यात्रा के अंतर्गत, गुरुग्राम और स्टॉकहोम ने तकनीकी नवाचार, स्मार्ट सिटी समाधान, सतत शहरी विकास, ज्ञान आदान-प्रदान और निवेश प्रोत्साहन में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक शहर-से-शहर सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। राज्य सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि इस साझेदारी से दोनों शहरों के बीच दीर्घकालिक सहयोग को



बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अनुरूप, हरियाणा सरकार ने 3,000 करोड़ रुपए के एक महत्वपूर्ण

एलओआई पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त, खुदरा और भंडारण क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपए के समझौते हुए। प्रस्तावित निवेश से आधुनिक भंडारण

अवसंरचना के विकास, खुदरा श्रृंखलाओं के विस्तार और लॉजिस्टिक्स में नए निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे राज्य के औद्योगिक और वाणिज्यिक परिस्थितिकी तंत्र

को मजबूती मिलेगी। इस यात्रा में हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार विस्तार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से एक समझौता भी हुआ। स्वीडिश कंपनियों ने हरियाणा के कुशल युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का आश्वासन दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के कौशल विकास, प्रशिक्षण और रोजगार के नए रास्ते खुल सकते हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह यात्रा वैश्विक निवेश मानचित्र पर हरियाणा की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य स्वीडन की उन्नत प्रौद्योगिकी, नवाचार और सतत विकास मॉडलों का लाभ उठाकर, उन्हें हरियाणा की गतिशील अर्थव्यवस्था और युवा कार्यबल के साथ मिलाकर आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर प्रगति को गति देगा।

संक्षिप्त डायरी

छित्तपुर में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा, हाथ जोड़कर भक्तों का स्वागत कर रहीं जया-विजया
अनप्लग इंडिया
वाराणसी। शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा के अवसर पर काशी में सज रहे पूजा पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनेंगी। छित्तपुर क्षेत्र में स्थापित मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा लोगों के बीच विशेष चर्चा का विषय बनी है। यहां मां दुर्गा के साथ उनकी सखियों जया-विजया की अनूठी प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जो स्वचालित तरीके से हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं का स्वागत कर रही हैं। प्रतिमाओं की यह विशेषता देखने के लिए पंडाल में भक्तों की उत्सुकता बढ़ रही है। छित्तपुर में नवरात्र के पहले दिन से ही दुर्गा प्रतिमा स्थापित हो जाती है। भक्त नी दिनों तक माता के दर्शन-पूजन करते हैं। धार्मिक आस्था और कलात्मकता का संगम धार्मिक परंपराओं में जया-विजया को मां दुर्गा की प्रमुख सखियों के रूप में स्मरण किया जाता है। पंडाल में मां दुर्गा के साथ इनकी प्रतिमाओं की विशेष प्रस्तुति शक्ति उपासना की परंपरा को आकर्षक रूप दे रही है। कलाकारों ने अपनी कल्पनाशीलता और तकनीकी कौशल के माध्यम से प्रतिमाओं को विशेष रूप प्रदान किया है। दुर्गा पूजा की रौनक बढ़ा रही अनूठी सजावट छित्तपुर का यह पूजा पंडाल धार्मिक आस्था के साथ आधुनिक तकनीक के प्रयोग के लिए भी चर्चा में है। मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा और जया-विजया के हाथ जोड़कर स्वागत करने का दृश्य श्रद्धालुओं को एक अलग अनुभव दे रहा है। अनूठी सजावट ने क्षेत्र में दुर्गा पूजा के उत्साह और आकर्षण को और बढ़ा दिया है।

पूर्व विधायक राजीव चन्ना और मनमोहन सैनी फिर से सपा की साइकिल पर सवार एजेंसी
मुरादाबाद। मुरादाबाद जनपद की मुरादाबाद पश्चिम विधानसभा से भाजपा के सिंबल पर वर्ष 2007 में विधायक बने राजीव चन्ना गुरुवार को फिर से समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। उनके साथ समाजवादी पार्टी से भाजपा में आए मनमोहन सैनी भी दोबारा साइकिल पर सवार हो गए। मनमोहन सैनी सपा मुरादाबाद के पूर्व जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। भाजपा मुरादाबाद के पूर्व महानगर अध्यक्ष राजीव चन्ना उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2007 में भाजपा के सिंबल पर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। 2 वर्ष बाद वर्ष 2009 में हुए वे लोकसभा चुनाव में राजीव चन्ना ने भाजपा और विधानसभा से इस्तीफा देकर बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ले ली थी और वर्ष 2009 में मुरादाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था,, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी व भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद वर्ष 2012 में राजीव चन्ना हाथी की सवारी को छोड़कर साइकिल पर सवार हो गए और वर्ष 2017 में जब पूर्ण बहुमत से उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो राजीव चन्ना ने भाजपा में वापसी कर ली थी। गुरुवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान राजीव चन्ना ने सपा का दामन थाम लिया। वहीं समाजवादी पार्टी मुरादाबाद के पूर्व जिला अध्यक्ष रहे मनमोहन सैनी ने वर्ष 2017 में भाजपा की सदस्यता ले ली थी। मनमोहन सैनी भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा में क्षेत्रीय और प्रदेश कार्यकारिणी में सदस्य रहे। उन्होंने भी आज लखनऊ में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ले ली।

विद्यार्थियों ने खुद तैयार किए ड्रोन को उड़ाकर किया सफल परीक्षण
एजेंसी
जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय हस्तस्वयानबूट् कैंप के चौथे दिन गुरुवार को विद्यार्थियों ने स्वयं तैयार किए गए ड्रोन को एकलव्य स्टेडियम में उड़ाकर उसका सफल परीक्षण किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक, कैमरा सेंसर और उसके विभिन्न उपयोगों की जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा के परियोजना अभियंता दीपेश वर्मा ने ड्रोन कैमरा, फिल्टर और सेंसर की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने कृषि एवं पर्यावरण के क्षेत्र में ड्रोन की उपयोगिता बताते हुए वनस्पति के विभेदन, जल संबंधी आकलन, फसलों में रोगों की पहचान और पौधों के स्वास्थ्य की निगरानी में विभिन्न तरंगदैर्घ्य के उपयोग की जानकारी दी। इसके बाद परियोजना अभियंता ईशा गुप्ता ने ड्रोन के विभिन्न अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ड्रोन तकनीक का उपयोग कृषि, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन और सर्वेक्षण सहित कई क्षेत्रों में किया जा रहा है। बूटकैंप के दौरान विद्यार्थियों ने अपने हाथों से तैयार किए गए ड्रोन को उड़ाकर व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के नवाचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल और आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उन्हें अनुसंधान के लिए प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम का संचालन इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग के सहयोग से सी-डैक, नोएडा द्वारा किया जा रहा है। इसके सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षकों और तकनीकी दल ने सहयोग किया।

सामूहिक विवाह योजना- 129 हिन्दू जोड़े एवं 67 मुस्लिम जोड़ों का हुआ विवाह सम्पन्न
एजेंसी
फिरोजाबाद। जनपद के नगर निगम फिरोजाबाद एवं विकास खण्ड टूण्डला, फिरोजाबाद, नारखी के चिह्नित पात्र जोड़ों के विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत बृहस्पतिवार को श्री तिलक इण्टर कॉलेज फिरोजाबाद में सम्पन्न कराये गये। कार्यक्रम में 196 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। सामूहिक विवाह योजना में नगर निगम फिरोजाबाद के 90, विकास खण्ड टूण्डला के 39, विकास खण्ड फिरोजाबाद के 30, विकास खण्ड नारखी के 37 इस प्रकार कुल 196 जोड़े उपस्थित हुए, जिनमें 129 हिन्दू जोड़े, एवं 67 मुस्लिम जोड़ों का विवाह उनकी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सम्पन्न कराये गये। कार्यक्रम में सम्मिलित हुए जोड़ों को क्रमशः 05 साड़ी ब्लाउज सहित, 05 पेटीकोट, चुनरी, पैन्ट का कपड़ा, शर्ट का कपड़ा, फेंटा, गमछा, स्टील डिनर सेट, प्रेशर कुकर, कड़ाही, ट्रॉली बैग, वैनिटी किट, सीलिंग फेन, कूल केज, दीवार घड़ी, चूड़ी 2 दर्जन, प्लास्टिक की कुर्सी 4, 1 मेज, गैस चूल्हा डबल बर्नर वाला, ट्राली बैग, स्टील डिनर सेट-1, आयरन प्रेस, डबल बेड चादर, 02 पिलो कवर, कम्बल, कुकर, गब्र, मेट्रेस-02, सिन्धोरा, चूड़ी, कंनन, ड्राईफ्रूट्स, मिष्ठान आदि वैवाहिक सामग्री प्रदान की गयी। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मनीष असौजा विधायक सदर, कामिनी राठौर महापौर नगर निगम फिरोजाबाद, भगवान दास शंखवार आदि मौजूद रहे। उपस्थित अतिथियों ने नव दंपति को आशीर्वाद प्रदान कर उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, उप-जिलाधिकारी सदर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार परिहार, तूलिका सिंह उपायुक्त भ्रम रोजगार, मुदिता पाण्डेय जिला विद्यालय निरीक्षक, राजमती जिला समाज कल्याण अधिकारी, मिथलेश कुमार जिला प्रोवेशन अधिकारी आदि मौजूद रहे।

संस्कृति यूनिवर्सिटी के छात्र शिवम ने चंडीगढ़ में राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में जीता सिल्वर मेडल एजेंसी
मथुरा। संस्कृति यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के एमबीए द्वितीय वर्ष के छात्र शिवम ने चंडीगढ़ में आयोजित प्रतिष्ठित बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वासिकि फिजर कैटेगरी में सिल्वर मेडल (रजत पदक) अपने नाम किया है। इस राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि से न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। यह जानकारी गुरुवार को यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क अधिकारी किशन चतुर्वेदी ने दी है।

होमगार्ड भर्ती धांधली में बड़ा खुलासा, मेडिकल फिटनेस के नाम पर तीन लाख की वसूली, कार से चल रहा था खेल

कानपुर होमगार्ड भर्ती मेडिकल जांच में वसूली: तीन लाख रुपये और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन का खुलासा

अनप्लग इंडिया

कानपुर। में होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के दौरान मेडिकल परीक्षण के नाम पर चल रहे अवैध वसूली के खेल में एक के बाद एक सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। इस पूरे प्रकरण ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी डॉक्टरों द्वारा अभ्यर्थियों से कुल तीन लाख रुपये की अवैध वसूली की गई थी। खास बात यह है कि इस रिश्ततखोरी के खेल में डिजिटल माध्यम का भी धड़ल्ले से इस्तेमाल किया गया, जिसमें एक लाख रुपये सिधे ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिए वसूले गए थे। इस खुलासे के बाद पुलिस और प्रशासन के कान खड़े हो गए हैं और



मामले को तह तक जाने के लिए जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। क्या है पूरा मामला और कैसे हुआ खुलासा? कानपुर पुलिस लाइन में इन दिनों होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के दावे किए जा रहे थे, लेकिन इसी प्रक्रिया का हिस्सा बनने आए युवाओं के सपनों का

फरुखाबाद में भाइयों के साथ पशुओं को चारा लेने जा रही बहन गंगा में डूबी, तलाश जारी



अनप्लग इंडिया

फरुखाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद फरुखाबाद थाना कमालगंज क्षेत्र में गुरुवार को दो भाइयों के साथ पशुओं का चारा लेने जा रही छात्रा गंगा नदी पार करते समय डूब गई। बड़े भाई ने छोटे भाई को बचा लिया लेकिन बहन का बचाव नहीं कर सका। गोताखोर उसकी तलाश में जुटे हुए हैं। कमालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम भोजपुर निवासी विनोद कुमार वर्मा की 14 वर्षीय पुत्री गुलशन, 11 वर्षीय पुत्र अनुराग एवं 17 वर्षीय पुत्र रोहित आज दोपहर गांव के पीछे गंगा नदी पार कर घास काटने जा रहे थे। गंगा नदी से पार करते समय गुलशन एवं अनुराग अचानक गहराई में चले जाने के कारण डूबने लगे। रोहित ने तैरकर भाई एवं बहन को बचाने का प्रयास किया । इस दौरान अनुराग ने रोहित के पैर पकड़ लिए जिसके कारण वह डूबने से बच गया। गुलशन गहरे पानी में डूब कर बह गई। सूचना मिलने पर गुलशन के परिजन एवं गांव वाले मौके पर पहुंचे, गांव वालों ने गुलशन को तलाश किया। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी रामसहाय एवं भोजपुर चौकी इंचार्ज अखिलेश कुमार ने नाव से गुलशन को तलाश। थानाध्यक्ष ने पुलिस लाइन से तैराक सिपाहियों को बुलावे के लिए सूचना भेजी।

जिलाधिकारी ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर की समीक्षा,कहा—लापरवाह विद्यालयों पर होगी कार्रवाई

अनप्लग इंडिया

हाथरस, । उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस में गुरुवार को जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वाले विद्यालयों और वाहन संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को अभियान चलाकर स्कूली वाहनों की जांच करने और सभी निर्धारित मानकों का पालन निश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूली वाहन चालकों और परिचालकों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण करावा जाए तथा वाहनों की फिटनेस की नियमित जांच हो। किसी भी स्कूली वाहन में निर्धारित



क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने विद्यालय संचालकों को 29 बिंदुओं वाली निर्धारित जांच सूची के आधार पर अपने वाहनों की जांच करने के निर्देश दिए। इसके बाद संबंधित विभागीय अधिकारी वाहनों का निरीक्षण करेंगे। जांच में कमियां मिलने पर संबंधित विद्यालय के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने पूर्व में स्कूली वाहनों से हुई सड़क दुर्घटनाओं की जांच के लिए

अनप्लग इंडिया

वाराणसी। बीमा पॉलिसी पर भारी बोनास और मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह के सरगना समेत दो आरोपियों को साइबर क्राइम पुलिस ने बुधवार को आगरा से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से एक आईफोन और 45 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। दोनों को सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस को आशंका है कि पूछताछ और आगे की जांच में बीमा ठगी के कई अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है। एसीपी साइबर क्राइम अपूर्व पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आगरा के सिकंदरा क्षेत्र स्थित बोदला की आवास विकास कॉलोनी निवासी रंजन कुमार और सिकंदरा के केआर नगर स्थित महर्षिपुरम कॉलोनी निवासी देवेश प्रताप सिंह उर्फ देवेश धाकरे के रूप में हुई है। रंजन कुमार गिरोह का सरगना बताया जा रहा है। बीमा पॉलिसी पर बोनास का दिया

श्रीराम का जीवन सत्य, अनुशासन और त्याग की देता है प्रेरणा : प्रो. आरके सिंह

अनप्लग इंडिया

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि मयादां पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन सत्य, अनुशासन, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और विनम्रता की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपने व्यवहार, अध्ययन और सामाजिक जीवन में उतारना चाहिए। युवा अपनी व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी योगदान दें। कुलपति गुरुवार को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग की ओर से मुक्तानग परिसर स्थित मंदिर प्रांगण में आयोजित रामोत्सव-2026 को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भजन-कीर्तन, नृत्य, श्री हनुमान चालीसा पाठ और श्रीराम स्तुति के सामूहिक वाचन से भक्ति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभाभार विभाग के शिक्षक डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने गणेश वंदना से किया। अशिका सिंह ने श्रीराम के जीवन और आदर्शों पर विचार रखे। शुभांगी श्रीवास्तव ने बजाओ ढोल, स्वागत में मेरे घर राम आए हैं गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। शोध छात्र उद्देश्य सिंह ने राम की शक्ति पूजा के माध्यम से श्रीराम के संघर्ष, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा को रेखांकित किया। सुमित ने कविता पाठ किया और दिव्यांशु सिंह ने रामोत्सव के महत्व पर विचार व्यक्त किए। शिक्षक



अनुपम कुमार ने भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एचआरडी विभाग के अध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने श्रीराम और रावण के चरित्र के विभिन्न पहलुओं का उल्लेख किया। उन्होंने विद्यार्थियों से नैतिकता, संयम, कर्तव्यनिष्ठा और सदाचार जैसे जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के साथ भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति उनकी समझ को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर आगामी राष्ट्रीय स्केटिंग प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने जा रहे छात्र विनय अग्रहरि को अंगवस्त्र भेंटकर शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का संचालन प्रियांगी सिंह और पारुल श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ऋषिकेश ने किया।

बिठूर नगर पंचायत में भाजपा का परचम, उप चुनाव में चेयरमैन पद पर राणा समरेंद्र सिंह 2483 वोट से जीते

अनप्लग इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर की बिठूर नगर पंचायत के चेयरमैन पद के उपचुनाव में भाजपा ने गुरुवार को बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी राणा समरेंद्र सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी आदर्श द्विवेदी उर्फ विभु को 2483 मतों के बड़े अंतर से हराया। राणा समरेंद्र सिंह को 4210 वोट मिले, जबकि आदर्श द्विवेदी को 1727 मत प्राप्त हुए। कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप द्विवेदी को केवल 56 वोट मिले। कुल 9474 मतदाताओं में से 6193 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। आज सुबह आठ बजे नगर पंचायत भवन में कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना शुरू हुई। 10 वार्डों के मतपत्रों की गिनती पूरी होने के बाद चुनाव परिणाम घोषित किया गया। बिठूर नगर पंचायत के चेयरमैन पद के लिए 13 अक्टूबर को मतदान हुआ था। मतगणना के पहले लोटे से ही भाजपा प्रत्याशी राणा समरेंद्र सिंह ने बढ़त बना ली थी। प्रत्येक दौर के साथ उनके और निरंकुश प्रतिद्वंद्वी के बीच मतों का अंतर बढ़ता गया। अंतिम दौर की गिनती पूरी होने पर उनकी जीत पर मुहर लग गई। परिणाम घोषित होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने ढोल बजाकर खुशी जताई और एक- दूसरे को बधाई दी। जीत पर राणा समरेंद्र सिंह ने कहा कि उनकी मां डॉ. निर्मला सिंह ने 25 वर्षों तक बिठूर की जनता की सेवा की। मेरे परिवार का जनता से जुड़ाव आगे भी बना रहेगा और क्षेत्र के लोगों की सेवा जारी रखी जाएगी। राणा समरेंद्र सिंह ने जीत को जनता के विश्वास और समर्थन का परिणाम बताया।

की एवज में खुलेआम रिश्तत की मांग कर रहे थे। डिमांड भी छोटी-मोटी नहीं, बल्कि 15 हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक की थी। जो अभ्यर्थी पैसे देने में असमर्थ थे या जिन्होंने रिश्तत देने से इनकार किया, उन्हें मेडिकल अनफिट करने की खुली धमकियां दी जा रही थीं। यह पूरा खेल इतनी बेबाकी से चल रहा था कि किसी को भी इसकी भनक न लगे, इसके लिए डॉक्टरों ने अपने ही परिजनों को वसूली का जरिया बना लिया था। रिश्तेदारों और बेटों को बनाया गया वसूली का मोहरा जांच में यह भी चौंकाते वाला तथ्य सामने आया है कि आरोपी डॉक्टर इस अवैध धंधे को चलाने के लिए अकेले नहीं थे, बल्कि वे अपने साथ अपने रिश्तेदारों और बेटों को भी पुलिस लाइन लेकर

आए थे। डॉक्टर अपनी गाड़ियों का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसमें एक विशेष कार (नंबर यूपी 78 जेजे 8030) का नाम सामने आया है। इस कार के अंदर बैठकर डॉक्टरों के रिश्तेदार और बेटे अभ्यर्थियों को कथित तौर पर पंचियां थमाते थे और तय रकम की वसूली करते थे। खुलेआम चल रहे इस गोरखधंधे से जब अभ्यर्थियों का सब्र जवाब दे गया, तो उन्होंने इसका कड़ा विरोध किया। विरोध के दौरान एक युवक को रंगे हाथों पैसे वसूलते हुए दबोच लिया गया। इसके बाद गुस्साए अभ्यर्थियों ने न केवल उस युवक की जमकर पिटाई की, बल्कि पूरी पुलिस लाइन परिसर में जोरदार हंगामा खड़ा कर दिया। पुलिस और प्रशासनिक अमले में हड़कंप हंगामे की सूचना

मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शहर के कई थानों का भारी पुलिस फोर्स आनन-फानन में पुलिस लाइन मौके पर पहुंचा। पुलिस बल ने कड़ी मशकत के बाद आक्रोशित अभ्यर्थियों को शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। मामले की गंभीरता को भांपते हुए होमगार्ड जिला कमांडेंट प्रीति शर्मा ने तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने अभ्यर्थियों द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया और बिना किसी देरी के त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपी डॉक्टरों और उनके सहयोगियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी) दर्ज कराई। इस प्रशासनिक सख्ती से महकमे में हड़कंप मच गया है।

बीमा में मोटे बोनस का झांसा देकर 11.72 लाख की ठगी, गिरोह का सरगना समेत दो गिरफ्तार



झांसा पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने आठ जुलाई को वाराणसी निवासी एक व्यक्ति को निशाना बनाया था। उन्होंने पीड़ित को पीएमबी मेटलाइफ की बीमा पॉलिसी पर अलधिक बोनास और मोटा लाभ दिलाने का लालच दिया। उनकी बातों में आकर पीड़ित ने अलग-अलग तिथियों में विभिन्न बैंक खातों में कुल 11 लाख 72 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठगी का पता चलने पर मामले की जांच शुरू हुई। साइबर क्राइम थाने की

टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंक खातों से मिले इनपुट के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान आगरा और दिल्ली से जानकारी जुटाई गई। इसके बाद पुलिस टीम ने आगरा में दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फजी खातों में मंगाते थे रकम पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बीमा पॉलिसीधारकों को फोन कर खुद को बीमा कंपनी का अधिकारी या कर्मचारी बताते थे। वे पॉलिसी अपडेट

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो 17-22 अक्टूबर तक उज्बेकिस्तान और भारत की यात्रा करेंगे, जामनगर का दौरा भी होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने के लिए अगले हफ्ते भारत के दौरे पर जाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। रुबियो पहले उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे और फिर 17-22 अक्टूबर तक भारत के मुंबई और जामनगर जाएंगे, ऐसा बताया गया. मई के बाद से यह रुबियो का दूसरा भारत दौरा होगा, जब उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर की होस्ट की गई क्वाड फॉरिन मिनिस्टर्स की मीटिंग में हिस्सा लिया था. विदेश मंत्रालय ने कहा, ‘वह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, क्षेत्रीय और वैश्विक आयाम पर विचारों का आदान-प्रदान करने और बेहतर ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे.’ इसमें कहा गया है कि रुबियो व्यावसायिक निवेश और आर्थिक सहयोग के मौकों को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस लीडर्स से भी मिलेंगे. रुबियो का जामनगर दौरा बहुत जरूरी है क्योंकि यह रिलायंस की रिफाइनरी का घर है, जो दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइड फैसिलिटी है, जिसकी कैपेसिटी हर दिन 1.4 मिलियन बैरल कूड ऑयल प्रोसेस करने की है. मार्च में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनाउंस किया था कि अमेरिका रिलायंस इंडस्ट्रीज के इन्वेस्टमेंट से 50 साल में अपनी पहली रिफाइनरी बनाएगा.

फ्लाईदुबई मामले के बाद पाकिस्तान के पायलटों पर एक्शन, इजराइल जाने वाली फ्लाइट्स उड़ाने पर फ्रांस ने लगाई रोक

आबुधाबी, एजेंसी। एयर फ्रांस एयरलाइन ने पाकिस्तान के पायलटों और कैबिन क्रू (फ्लाइट स्टाफ) को इजराइल आने-जाने वाली फ्लाइट्स को उड़ाने या उतरने काम करने से मना कर दिया है. एयर फ्रांस उन नियमों का कड़ाई से पालन कर रही है, जिनके तहत जिन देशों के आपस में राजनीतिक या कूटनीतिक संबंध नहीं हैं जैसे पाकिस्तान और इजराइल, उनके नागरिकों को उस रूट पर ड्यूटी नहीं दी जाएगी. अमेरिकी एयरलाइन यूनाइटेड एयरलाइंस और चेक एयरलाइन स्मार्टविंग्स ने भी इन नियमों का पालन करना शुरू कर दिया है. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि राष्ट्रीयता के आधार पर लगाई गई पाबंदियां अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन संचालन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं. इस सख्ती के पीछे की वजह 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव जाने वाली फ्लाईदुबई की घटना को माना जा रहा है. फ्लाइट में ओमान के को-पायलट ने कॉकपिट में किए गए हमले के बाद बरती जा रही है. आरोप है कि को-पायलट ने फ्लाइट पर हमला किया था. ओमान भी उन देशों की सूची में शामिल है, जिसके इजराइल देश के साथ कोई आधिकारिक या राजनीतिक संबंध नहीं है. फ्रांस के खोजी मीडिया संस्थान ‘मीडियापाट’ और एविएशन इंटीलजेंस कंपनी ने 13 अक्टूबर 2026 को अपनी रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी है. इन रिपोर्टों के अनुसार, एयर फ्रांस और यूनाइटेड एयरलाइंस ने अपने सभी पायलटों और कैबिन क्रू को इस रूट पर लगाए गए नए सुरक्षा प्रतिबंधों के बारे में पूरी जानकारी दे दी है।

होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के दो कंटेनर जहाजों पर हमला, एक समुद्र में डूबा; सभी 43 क्रू मेंबर सुरक्षित

सिंगापुर , एजेंसी। ईरान और अमेरिका के टकराव के कारण मध्य एशिया के लिए ऊर्जा का प्रमुख मार्ग होर्मुज स्ट्रेट संवेदनशील बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रही जहाज सुरक्षित नहीं है। इसी बीच इस मार्ग से गुजर रहे सिंगापुर में पंजीकृत दो कंटेनर जहाजों पर मंगलवार और बुधवार को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किए जाने की खबर है। इस घटना में एक जहाज में आग लगने के बाद वह डूब गया, जबकि दूसरे जहाज को भी नुकसान पहुंचा। बुधवार को सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण ने यह जानकारी दी। सिंगापुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार जीएफएस प्राइड नामक जहाज हमले में क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके बाद वह डूब गया। जहाज पर सवार सभी 21 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दूसरे जहाज जीएफएस मिजेल के बाहरी ढांचे को नुकसान पहुंचा। हालांकि, जहाज अपने इंजन की मदद से सुरक्षित बंदरगाह तक पहुंचने में सफल रहा। इस जहाज पर चालक दल के 22 सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। एमपीए ने बताया कि दोनों जहाजों में कोई सिंगापुरी नागरिक सवार नहीं था।

नाबालिग बच्चियों का वीडियो बनाने वाले कोच को 90 साल की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नाबालिग जिम्नास्ट खिलाड़ियों की निजता से खिलवाड़ करने वाले पूर्व कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। उसने मिसिसिपी के एक ज़िम के बाथरूम में जासूसी कैमरा लगाकर लड़कियों के कपड़े बदलने और बाथरूम इस्तेमाल करने के वीडियो बनाए थे। बुधवार को अमेरिकी जिला अदालत की जज क्रिस्टी जॉनसन ने उसे अधिकतम सजा सुनाई। 39 वर्षीय गार्डनर को तीन मामलों में 30-30 साल की कैद दी गई है।

बाथरूम में कैमरा लगाकर बनाए वीडियो : गार्डनर ने अदालत में अपना जुर्म कबूल

कर लिया था। उसने दिसंबर 2017 से अप्रैल 2018 के बीच मिसिसिपी के प्युरीस स्थित जिम्नास्टिक्स स्टूडियो के बाथरूम में जासूसी कैमरा लगाया था। जांचकर्ताओं के मुताबिक, उसने कम से कम 10 नाबालिग लड़कियों के नन होने और कपड़े बदलने के वीडियो बनाए। ये वीडियो कई साल बाद उसके कंप्यूटर से बरामद हुए थे।

आयोवा में भी लगे यौन शोषण के आरोप : गार्डनर आयोवा के वेस्ट डेस मोहनेस स्थित चाउज जिम्नास्टिक्स एंड डांस इंस्टीट्यूट में भी कोच रह चुका था। वहां प्रशिक्षण लेने वाली कई पूर्व छात्राओं ने उस पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को



लेकर पुलिस में शिकायतें की गईं और अदालत में मुकदमे भी दायर हुए हैं। हालांकि, आयोवा से जुड़े आरोपों में गार्डनर पर अब तक आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि संघीय मामला खतम होने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

खेल संगठनों की भूमिका

पर उठे सवाल : गार्डनर मशहूर कोच लियांग ‘चाउ’ चियाओ के संस्थान में काम करता था। वह युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के साथ आयोवा में आयोजित होने वाली एक बड़ी वार्षिक प्रतियोगिता का निदेशक भी था। ऐसे में उसके खिलाफ लगे आरोपों ने अमेरिकी जिम्नास्टिक्स जगत को झकझोर

दिया है। कुछ पूर्व छात्राओं के वकीलों का आरोप है कि यूएसए जिम्नास्टिक्स और अमेरिकी सेंटर फॉर सेफस्पॉर्ट को 2017 में ही गार्डनर के अनुचित व्यवहार की जानकारी मिल गई थी, लेकिन उसे खेल से बाहर करने में देरी हुई।

शिकायत के बाद 2022 में हुई कार्रवाई : सेफस्पॉर्ट ने 2022 में यौन शोषण की शिकायत मिलने के बाद गार्डनर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। इसी साल चाउज जिम्नास्टिक्स ने भी उसे नौकरी से निकाल दिया। सेफस्पॉर्ट की जांच में सामने आया कि चाउ और कुछ अन्य कोचों को गार्डनर के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के आरोपों की जानकारी थी, लेकिन

उन्होंने इसकी सूचना संगठन को नहीं दी थी। मई में एक जज ने दो मुकदमों से सेफस्पॉर्ट को बाहर कर दिया। अदालत ने माना कि संघीय कानून के तहत संगठन को कानूनी संरक्षण प्राप्त था। गार्डनर, यूएसए जिम्नास्टिक्स और चाउज जिम्नास्टिक्स के खिलाफ कई मुकदमे अभी चल रहे हैं। 90 साल की सजा से इस मामले में अहम फैसला जरूर आया है, लेकिन पीड़िताओं के आरोपों और खेल संस्थानों की जवाबदेही से जुड़े सवाल अभी बाकी हैं। यह मामला बताता है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए शिकायतों को गंभीरता से लेना और समय रहते कार्रवाई करना कितना जरूरी है।

उन्होंने इसकी सूचना संगठन को नहीं दी थी। मई में एक जज ने दो मुकदमों से सेफस्पॉर्ट को बाहर कर दिया। अदालत ने माना कि संघीय कानून के तहत संगठन को कानूनी संरक्षण प्राप्त था। गार्डनर, यूएसए जिम्नास्टिक्स और चाउज जिम्नास्टिक्स के खिलाफ कई मुकदमे अभी चल रहे हैं। 90 साल की सजा से इस मामले में अहम फैसला जरूर आया है, लेकिन पीड़िताओं के आरोपों और खेल संस्थानों की जवाबदेही से जुड़े सवाल अभी बाकी हैं। यह मामला बताता है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए शिकायतों को गंभीरता से लेना और समय रहते कार्रवाई करना कितना जरूरी है।

सऊदी अरब आने-जाने वाले सभी एअर इंडिया उड़ानें रद्द, प्रभावित यात्रियों को रिफंड लौटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में बिगड़ते हालात को देखते हुए एअर इंडिया ने रियाद, दम्माम और जेद्दा आने और जाने वाली अपनी सभी उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने 16 अक्टूबर को एक्स पर इसकी जानकारी दी। प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दिया जा रहा है। सऊदी अरब में हाल के हमलों से हवाई यातायात प्रभावित है और 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुए ह्तती हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एअर इंडिया ने कहा कि सऊदी अरब में बदलती स्थिति को देखते हुए ये उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द रहेंगी। कंपनी घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही है और सुरक्षित तरीके से परिचालन दोबारा शुरू करने के लिए हालात का आकलन कर रही है। एयरलाइन का कहना है कि यात्रियों और कू की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उड़ानें रद्द होने से सऊदी जाने और वहां से भारत लौटने की योजना बना रहे यात्रियों को परेशानी हो सकती है। इससे पहले सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल ने वहां रह रहे भारतीयों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। उन्होंने नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की और कहा कि भारत इस मुश्किल समय में सऊदी जनता और नेतृत्व के साथ खड़ा है। उन्होंने मृतकों के परिवारों से संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दूतावास ने भारतीयों से शांत और सतर्क रहने को कहा है। हवाई हमले में खुले में न रहें, घर या सुरक्षित इमारत में रहें। हमलों की तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें, क्योंकि यह सऊदी कानूनों का उल्लंघन हो सकता है। दूतावास, वाणिज्य दूतावास और आउटसोर्स सेवा प्रदाता काम कर रहे हैं, इसलिए पारपोर्ट जैसी सेवाओं के लिए संपर्क करें। उमरा यात्रियों के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन जारी है।



अधिक महत्वपूर्ण है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने करीब 46 याचिकाओं पर सुनवाई की। ये याचिकाएं पुलिस कार्रवाई, कथित गैरकानूनी हिरासत, आवाजाही पर प्रतिबंध, पत्रकारों के अधिकारों और जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों की अनुमति से संबंधित थीं। सुनवाई के दौरान हुई कथित अव्यवस्था के बाद शंकरनारायणन ने संबंधित सात मामलों से अपना नाम वापस लेने की घोषणा की।

मोदी का विरोध अपनी जगह पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता

-असदुद्दीन औवैसी बोले- बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है

नई दिल्ली, एजेंसी।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवैसी ने एलन मस्क के बयानों पर कहा कि पीएम मोदी का विरोध अपनी जगह है, पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता। स्टारलिनक को भारत में मंजूरी मिलने में देरी से शुरू हुए इस विवाद में राहुल गांधी ने उद्योगपतियों से सरकार के रिशतों पर हमला बोला, जबकि औवैसी ने बीजेपी से राष्ट्रवाद पर सवाल पूछा। स्पेसएक्स के मालिक और टेस्ला के सीईओ मस्क ने आरोप लगाया है कि कुछ ओलिगार्क अपना दबदबा बचाने के लिए स्टारलिनक की एंट्री रोक रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी भारत के अस्सली बॉस हैं, और उन्हें पीएम मुकेश अंबानी तक कह डाला। सरकार के मुताबिक स्टारलिनक, रिलायंस जियो की सैटेलाइट कंपनी



और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब, तीनों लाइसेंसधारी कंपनियों की सुरक्षा जांच चल रही है और वे करीब एक ही चरण में हैं। सुरक्षा जांच और स्पेक्ट्रम मंजूरी के बिना कोई सेवा शुरू नहीं कर सकता। मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ एआईएमआईएम के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद हैदराबाद में सांसद औवैसी ने कहा कि वे हमेशा पीएम मोदी के खिलाफ थे और रहेंगे, लेकिन एलन मस्क पीएम के बारे में ऐसा कैसे लिख सकते हैं। उन्होंने पूछा कि बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है।

राहुल ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया, अपमान का सवाल ही नहीं: शिवकुमार

-प्रदर्शन में डीके को धक्का देने से गरमाई राजनीति, भाजपा ने अपमान बताया

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार को लेकर उठे कथित विवाद पर सीएम डीके शिवकुमार ने सफाई दी है। उन्होंने साफ कहा है कि राहुल गांधी ने ही उन्हें सीएम बनाया है और उनके प्रति अपमान जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने बीजेपी और कुछ मीडिया संस्थानों पर इसे राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। वहीं, बीजेपी ने भी आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने सीएम को किनारे कर कन्नड़ लोगों का अपमान किया है। बता दें यह विवाद तब शुरू हुआ जब सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान बीजेपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर दावा किया कि राहुल गांधी ने डीके शिवकुमार को धक्का देकर किनारे कर दिया। हालांकि, शिवकुमार ने इन आरोपों को सिरों से खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन में भीड़ बहुत ज्यादा थी और राहुल गांधी उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे, इसलिए उन्होंने शिवकुमार को पीछे आ रहे वाहन में बैठने के लिए कहा था।



शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कई मीडिया संस्थानों और बीजेपी नेताओं ने इस घटना को अपमान के तौर पर पेश करना गलत है। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी और राहुल गांधी के आशीर्वाद से मैं सीएम बना हूं। यह पूरा आशीर्वाद है और हम यहां सरकार चला रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के मतदाताओं के हितों की

रक्षा कर रही है और वे देश के मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने के लिए एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। कुछ मीडिया संस्थान और बीजेपी नेता इस मुद्दे को लेकर बेवजह राजनीति और विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डॉ जी परमेश्वर ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी, जिससे मुख्यमंत्री के दावों को बल मिला। उन्होंने

कहा कि विरोध प्रदर्शनों और बड़ी जनसभाओं में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। परमेश्वर ने समझाया कि उस स्थान पर सुरक्षा कर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी राहुल गांधी की रक्षा करना और भीड़ को उनके करीब आने से रोकना था। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्यवश मुख्यमंत्री भी उस क्षेत्र की ओर बढ़ गए और भीड़ के बीच उन्हें हल्का धक्का लग गया, जो कि परिस्थितियों का परिणाम था, न कि किसी अपमानजनक इरादे का। रिपोर्ट के मुताबिक इस विवाद पर बीजेपी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक और बीजेपी नेता एन रवि कुमार ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान सीएम डीके शिवकुमार को धक्का देना कन्नड़ लोगों का अपमान है। रवि कुमार ने कहा कि यह घटना राहुल गांधी की अपनी ही पार्टी के सीएम के प्रति अनादर को दर्शाती है। इस प्रकार, दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई घटना को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

यूक्रेन में स्टारलिनक पर पाबंदी से घिरे मस्क: रूस के हमलों के बीच उठे सवाल

कीव, एजेंसी। रूस के हमलों के बीच यूक्रेन में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिनक को लेकर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है, जिसने दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शामिल एलन मस्क को कठपंरे में ला खड़ा किया है। आरोप है कि यूक्रेन में इस सेवा पर लगी पाबंदियों से यूक्रेनी सेना के संचार और सैन्य अभियानों पर असर पड़ता है। अमेरिकी सांसदों ने भी इस कदम पर सवाल उठाए हैं। अब बहस सिर्फ इंटरनेट सेवा की नहीं, बल्कि इस बात की है कि क्या कोई निजी कंपनी युद्ध के दौरान किसी देश की रक्षा क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

स्टारलिनक बंद होने से क्या मचा बवाल : यूक्रेन की सेना युद्ध के दौरान स्टारलिनक पर काफी हद तक निर्भर है। इसका इस्तेमाल ड्रोन उड़ाने, खुफिया जानकारी जुटाने और सैनिकों के बीच संपर्क बनाए रखने में किया जाता है। ऐसे में कनेक्टिविटी में रुकावट आने से मोर्चे पर मुश्किलें बढ़ने की आशंका जताई गई। अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया कि रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच यूक्रेन की संचार सेवाओं पर रोक लगाना बेहद गंभीर मामला है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि इस तरह की पाबंदियां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फायदा पहुंचा सकती हैं। वहीं, सांसद प्रमिला जयपाल ने चेतावनी दी कि किसी एक कंपनी के पास युद्ध के दौरान संचार व्यवस्था रोकने की ताकत होना खतरनाक मिसाल बन सकता है। जेलेंस्की ने मस्क पर उठाए सवाल यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर



जेलेंस्की ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई। ब्रिटिश पत्रकार पियर्स मॉर्गन के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि रात करीब एक बजे स्टारलिनक की सेवाएं रोक दी गई थीं। उनके मुताबिक, इसका असर यूक्रेन की सैन्य गतिविधियों और रूसी हमलों से बचाव की कोशिशों पर पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि यह सेवा सिर्फ दुश्मन पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने आशंका जताई कि संचार व्यवस्था में बाधा आने से रूसी हमलों को रोकने में मुश्किल हुई और लोगों की जान जाने का खतरा बढ़ा। उन्होंने मस्क के फैसले को बड़ी गलती बताया। मस्क ने स्टारलिनक और स्टारशील्ड में बताया अंतर विवाद बढ़ने पर एलन मस्क ने सफाई देते हुए स्टारलिनक और स्टारशील्ड को अलग-अलग सेवाएं बताया। उनके अनुसार, स्टारलिनक स्पेसएक्स की व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल नागरिक और रक्षात्मक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। मस्क का कहना है कि व्यावसायिक सेवा का इस्तेमाल आक्रामक सैन्य कार्रवाई के लिए करना उचित नहीं होगा। वहीं, स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के स्थापित और नियंत्रण वाली सैन्य संचार प्रणाली है।